मौसम

तापमान	26 – 31
आर्द्रता	78%
सूर्योदयः 5:18	सूर्यास्तः 17:59

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
कोलकाता, भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

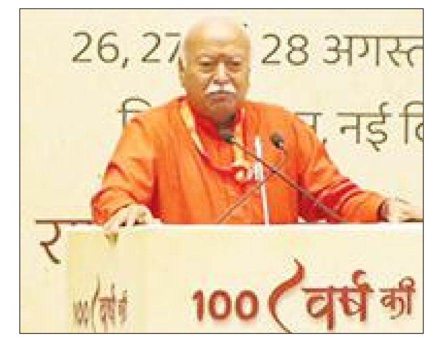

अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं: आरएसएस प्रमुख भागवत पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : मंदिर जाना तन का विषय है, लेकिन ईश्वर तक जाना मन का है।

जम्मू में रिकॉर्ड बारिश के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 41 हुई

- वैष्णो देवी में भूस्खलन की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 34 हुई
- झेलम से श्रीनगर और अनंनाग में बाढ़

जम्मू/श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में पिछले दो दिन में रिकॉर्ड बारिश के बाद संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई, जिनमें से अधिकतर लोग वो हैं जो वैष्णो देवी मार्ग पर हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। बुधवार को बारिश से कुछ राहत मिलने के बाद राहत कार्यों में तेज़ी आई। जम्मू क्षेत्र में उफनती नदियों के जलस्तर में पूर्वाह्न 11 बजे से कमी आने के बीच अनंतनाग और श्रीनगर में झेलम नदी का जलस्तर बाढ़ की चेतावनी के निशान को पार कर गया तथा कई रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया। अधिकारियों ने निवासियों को आश्वस्त किया है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में जलाशयों के उफान पर आने और अचानक आई बाढ़ के कारण कई प्रमुख पुलों, आवासीय भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों से 10,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। इस बीच शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने घोषणा की कि जम्मू कश्मीर में शैक्षणिक संस्थान बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए बृहस्पतिवार को बंद रहेंगे। इटू ने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''खराब मौसम को देखते हुए जम्मू कश्मीर के स्कूल और कॉलेज कल (28.08.2025) बंद रहेंगे।'' उत्तर रेलवे ने जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से हुई तबाही के मद्देनजर बुधवार को जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया जबकि 64 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर बीच में ही रोक दिया गया। एक दिन के निलंबन के बाद रेल यातायात बुधवार सुबह कुछ समय के लिए बहाल हुआ और जम्मू से छह ट्रेन रवाना हुईं। अधिकारियों ने बताया कि चक्की नदी क्षेत्र में बाढ़ और मिट्टी के कटाव के कारण यातायात फिर से रुक गया है। कुछ इलाकों में बारिश थम जाने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला व्यक्तिगत रूप से हालात का जायजा लेने के लिए श्रीनगर से जम्मू पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में ऑप्टिकल फाइबर को हुए नुकसान के करीब 24 घंटे बाद दूरसंचार सेवाएं बहाल कर दी गईं। वैष्णो देवी में भूस्खलन की घटना में बचावकर्मियों द्वारा मलबे से और शव निकाले जाने के बाद, हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ममता ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त

कोलकाता, समाज्ञा : घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा शोक प्रकट किया है। बुधवार की देपहर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक संदेश में कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्राकृतिक आपदा (वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन) ने हमें बहुत चिंतित कर दिया है। मृतकों की संख्या बढ़ने से मन व्यथित है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करती हूं। मां वैष्णो देवी उन्हें शीघ्र स्वस्थ करें। प्रभावित और फंसे हुए सभी लोगों के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं।

लोगों की जान जाना दुखद: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : वैष्णो देवी में भूस्खलन की घटना में लोगों की जान जाने पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि प्रशासन इस घटना से प्रभावित सभी लोगों की सहायता कर रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन के कारण लोगों की जान जाने की खबर दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी के सुरक्षित और सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।''

2030 तक बढ़ी 'पीएम स्वनिधि' योजना

1.15 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगा सीधा लाभ

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि योजना को 31 मार्च, 2030 तक बढ़ाने और इसके पुनर्गठन को मंजूरी दी गई है। सरकार इस योजना के लिए 7,332 करोड़ रुपये खर्च करेगी। यह योजना देश के छोटे दुकानदारों, फेरीवालों, रेहड़ी-पटरी लगाने वाले लोगों को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। अब तक लाखों लोगों को इस योजना का लाभ मिल चुका है और नए स्वरूप में यह योजना 50 लाख नए लाभार्थियों को जोड़कर कुल 1.15 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स तक पहुंच बनाएगी।

'स्वनिधि से समृद्धि' को मिलेगा नया विस्तार

सरकार ने योजना के अंतर्गत चल रहे 'स्वनिधि से समृद्धि' अभियान को भी और सशक्त करने का निर्णय लिया है। इसके तहत देशभर में मासिक लोक कल्याण मेले आयोजित किए जाएंगे। इन मेलों का उद्देश्य है कि लाभार्थियों को न केवल आर्थिक सहायता मिले, बल्कि उन्हें अन्य सरकारी योजनाओं जैसे बीमा, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, राशन कार्ड आदि का भी पूरा लाभ मिल सके।

बिहार समेत पांच राज्यों को 12 हजार करोड़ की चार रेलवे परियोजनाओं का तोहफा

सरकार ने बिहार, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात और असम में 12,328 करोड़ रुपये की लागत वाली चार रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें देशलपार-हाजीपीर-लूना तथा वायोर और लखपत को जोड़ने वाली नई रेल लाइन का निर्माण, सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी के बीच तीसरी और चौथी लाइन, भागलपुर से जमालपुर तक तीसरी लाइन और फुरकाटिंग-न्यू तिनसुकिया लाइन का दोहरीकरण शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों और वस्तुओं दोनों का निर्बाध और त्वरित परिवहन सुनिश्चित करना है। ये पहल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और यात्रा सुविधा में सुधार के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेंगी। साथ ही तेल आयात पर निर्भरता कम करेंगी। इसके अलावा इन परियोजनाओं से कार्बनडाइ ऑक्साइड उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी। इससे स्थायी और कुशल रेल संचालन को बढ़ावा मिलेगा। ये परियोजनाएं अपने निर्माण के दौरान लगभग 251 लाख मानव-दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित करेंगी। प्रस्तावित नई रेल लाइन कच्छ क्षेत्र के सुदूर क्षेत्रों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह गुजरात के विद्यमान रेलवे नेटवर्क में 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी जोड़ेगी। इसकी अनुमानित लागत 2526 करोड़ रुपये है। परियोजना की पूर्ण होने की समय-सीमा 3 वर्ष है। गुजरात राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के अतिरिक्त, यह नई रेल लाइन नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर और बेंटोनाइट के परिवहन में भी मदद करेगी। इस परियोजना का रणनीतिक महत्व यह है कि यह कच्छ के रण को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। हड़प्पा स्थल धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला भी रेल नेटवर्क के अंतर्गत आएंगे क्योंकि 13 नए रेलवे स्टेशन जोड़े जाएंगे जिससे 866 गांवों और लगभग 16 लाख आबादी को लाभ होगा।

190 करोड़ रुपये गबन के आरोप में ईडी ने कोलकाता के कारोबारी को किया गिरफ्तार

- कारोबारी पर 30 फर्जी कंपनी खोलकर कई बैंकों से लोन लेने का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता के एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी का नाम हरीश बागला है। उसे मंगलवार की रात जेसोर रोड स्थित एक आलीशान आवास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी कारोबारी पर करीब 190 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। आरोप है कि गिरफ्तार हरीश बागला ने 30 कंपनियां दिखाकर विभिन्न बैंकों से भारी कर्ज लिया। जिन कंपनियों से यह कर्ज लिया गया, आरोप है कि उनमें से ज्यादातर फर्जी बताई जा रही हैं। इतना ही नहीं, यह भी आरोप है कि गिरफ्तार कारोबारी ने बैंक से लिए गए पैसों का गबन किया है। इस संबंध में, ईडी को कई शिकायतें दी गई हैं। पता चला है कि कई बैंकों ने यह शिकायत दर्ज कराई है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति पर कुल 190 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। इसके बाद, ईडी ने जांच शुरू की। सूत्रों के मुताबिक, जांच अधिकारियों ने गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ शुरू कर दी है। ये सभी संगठन क्यों खोले गए, इसकी भी जांच की जा रही है। ईडी यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या हरीश बाघला के अलावा कोई और भी इस रैकेट में शामिल है।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में अपनी 'सीमाओं' से कोई समझौता नहीं करेगा भारत

नयी दिल्ली : भारत एवं अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर तनाव गहराने के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर जारी वार्ता इस पर निर्भर करेगी कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं और 'सीमाओं' का किस तरह ध्यान रखते हैं। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा, आखिरकार कुछ सीमाएं हैं जिनसे हम समझौता नहीं कर सकते हैं। समझौता इस पर निर्भर करेगा कि दोनों पक्ष इन सीमाओं से किस तरह निपटते हैं। हमारे लिए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि किसानों, मछुआरों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते को लेकर मार्च 2025 से ही बातचीत का दौर चल रहा है और अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। छठा दौर 25 अगस्त से ही शुरू होने वाला था लेकिन अमेरिकी पक्ष ने इसके लिए भारत की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय उत्पादों के आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा से दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। पहले उन्होंने 25 प्रतिशत शुल्क लगाया था लेकिन रूस से तेल की खरीद जारी रखने के जुर्माने के रूप में 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। बुधवार से भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाने से वस्त्र, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा जैसे क्षेत्रों से अरबों डॉलर का निर्यात प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

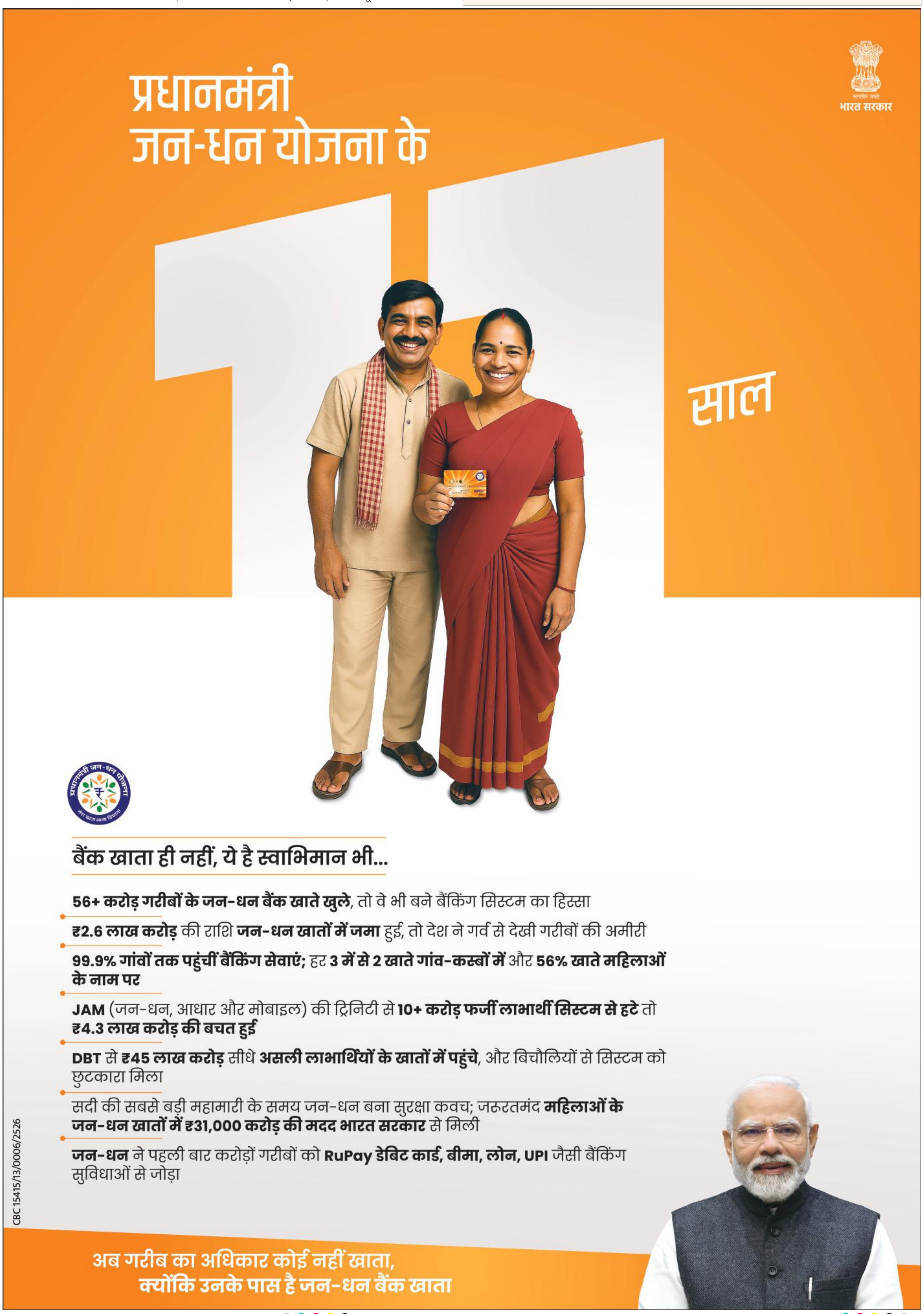

टुकड़ों में समाधान से आगे बढ़ने की ज़रूरत

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन-जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। राज्य ने इस स्थिति से निपटने के लिये एक 'व्यापक भावी कार्य योजना' तैयार करने के लिये कम से कम छह माह का वक्त मांगा है। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता।

निस्संदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति-निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके। प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करना समय की जरूरत है। निस्संदेह, खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन-धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 28 अगस्त, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी, 17:58 तक, नक्षत्र : चित्रा, 08:38 तक, योग : शुक्ला, 13:10 तक, सूर्योदय: 5:18, सूर्यास्त: 17:59, चन्द्रोदय : 09:27, चन्द्रास्त: 20:50, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : सिंह, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 13:11 से 14:45

राशिफल

मेष : राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा विरोधी आपके काम में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। जरूरी काम समय पर पूरे करने होंगे।

वृष : कला और साहित्य से जुड़े लोगों के मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र में किसी बड़े-बुजुर्ग के सहयोग और समर्थन से आपके व्यवसाय में प्रगति होगी।

मिथुन : आपका दिन अच्छा रहने वाला है और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। इसी के चलते आप कार्यक्षेत्र में पूरी मेहनत और लगन के साथ काम कर सकते हैं। कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा।

कर्क : नौकरी, व्यवसाय और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज प्रगति प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में बड़े-बुजुर्ग आपकी हर प्रकार की सहायता कर सकते हैं।

सिंह : कार्यक्षेत्र और परिवार में विपरीत स्थिति उत्पन्न होने पर आपको साहस और धैर्य से काम लेना होगा। बिना सोचे-समझे और जल्दबाजी में फैसले लेने से नुकसान हो सकता है।

कन्या : राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी तनाव की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में शांति और धैर्य के साथ फैसले लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला : आपके पराक्रम और धन में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर कानूनी या कोर्ट के किसी मामले में फंसे थे तो अब वहां भी आपकी जीत हो सकती है, जिससे तनाव कम होगा।

वृश्चिक : व्यापार और कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति बेहतर रहने से आपको संतुष्टि महसूस हो सकती है। दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु : आर्थिक मामलों में आपको सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि खर्चे बढ़ सकते हैं। ऐसे में बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल में विरोधियों से सावधान रहें।

मकर : राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग नए संपर्क बना सकते हैं, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को विशेष सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ : कार्यक्षेत्र में पैसों के लेन-देन के मामले में आपको सावधान रहना होगा। खर्चे अधिक बढ़ने के कारण थोड़े परेशान रह सकते हैं। ऐसे में आपको किसी से उधार लेना पड़ सकता है।

मीन : कारोबार के मामले में आपको उन्नति के रास्ते मिल सकते हैं और समाज में सम्मान भी बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके कार्यों में बाधाएं डालने में सफल नहीं हो पाएंगे।

बेईमान राजनीतिक दलों ने उत्तर प्रदेश को बनाया था 'बीमारू' राज्य: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश 'बीमारू' राज्य नहीं था बल्कि बेईमान राजनीतिक दलों ने भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद के जरिए प्रदेश को ऐसा बना दिया था। मुख्यमंत्री ने यहां लोकभवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहा, 2017 से पहले नियुक्तियों में बंदरबांट होती थी, जिसकी वजह से योग्य अभ्यर्थी भेदभाव और भ्रष्टाचार के शिकार होते थे। उन्होंने कहा कि 1947 के बाद 1960 तक उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी प्रदेश था, जिसका देश के घरेलू सकल उत्पाद (जीडीपी) में 14 प्रतिशत से अधिक योगदान था लेकिन 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई और 1990 के बाद यह और तेज हो गई। योगी ने कहा कि 2017 तक उत्तर प्रदेश का जीडीपी में योगदान आठ प्रतिशत से भी कम हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा, इस दौरान खाद्यान्न उत्पादन, ढांचागत विकास और निवेश में उप्र पिछड़ता गया। नौजवान प्रदेश से बाहर जाते थे, लेकिन वहां भी पहचान का संकट झेलते थे। यह दंगों और परिवारवादी राजनीति का परिणाम था, जिसने उप्र को लूट का अड्डा बना दिया। योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिला और बाल विकास विभाग के तत्वाधान में नवचयनित मुख्य सेविकाओं व फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण प्रदेश भर की बेटियों के लिए अवसर है। उन्होंने कहा कि हर युवा के मन में सपना होता है और सरकार का दायित्व है कि उसे मंच दे। योगी ने कहा कि युवा प्रतिभाशाली व ऊर्जावान होता है लेकिन जब वह भेदभाव और भ्रष्टाचार का शिकार होता है तो यह राष्ट्रीय क्षति बन जाती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नियुक्तियां नहीं होती थीं और होती भी थी तो बंदरबांट व भ्रष्टाचार के चलते योग्य युवा पीछे रह जाते थे, जिसका नतीजा हुआ कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य बन गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विद्यालयों के विलय को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के पास मुद्दा नहीं, सिर्फ नकारात्मकता है। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों से बच्चों को स्थानांतरित करने और छात्र-शिक्षक अनुपात सुधारने का प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा है। योगी ने कहा, हम खाली विद्यालयों में प्री-प्राइमरी और बाल वाटिका चलाएंगे, 5000 बाल वाटिकाएं सफलतापूर्वक संचालित भी हैं। इन विद्यालयों में विभिन्य गतिविधियों के माध्यम से पोषण मिशन से तीन से छह वर्ष के बच्चों का मानसिक विकास होगा, जो स्वस्थ समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

झारखंड: नीरज सिंह हत्याकांड में पूर्व विधायक संजीव सिंह बरी

धनबाद (झारखंड) : धनबाद की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह और नौ अन्य को उनके रिश्ते के भाई और पूर्व उपमहापौर नीरज सिंह की हत्या के मामले में सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी ने आठ साल पुराने हाई-प्रोफाइल मामले में फैसला सुनाया और संजीव सिंह और सह-आरोपियों जयनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह, डबलू मिश्रा, बिनोद सिंह, सागर सिंह उर्फ शिबू, चंदन सिंह, कुरबान अली, पंकज सिंह और रणधीर धनंजय उर्फ धनजी को बरी कर दिया। फैसले के दौरान संजीव सिंह भी अदालत में मौजूद थे। उनके वकील ने कहा, अदालत ने सबूतों के अभाव में संजीव सिंह को हत्या के आरोप से बरी कर दिया। नीरज सिंह के छोटे भाई अभिषेक सिंह ने कहा कि वह इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे। वह रांची से एम्बुलेंस में अदालत परिसर आये थे। नीरज सिंह, उनके चालक घोल्टू महतो, अंगरक्षक मुन्ना तिवारी और निजी कर्मचारी अशोक यादव की 21 मार्च 2017 को धनबाद के सरायढेला थाना अंतर्गत स्टील गेट के पास एनएच-32 पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नीरज सिंह कार से सरायढेला स्थित अपने घर रघुकुल लौट रहे थे, तभी दो बाइकों पर सवार चार हमलावरों ने उन पर 9 एमएम पिस्तौल और कार्बाइन से 50 से अधिक गोलियां चलाईं। सेंट्रल अस्पताल के डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। बाद में, भाजपा से दो बार विधायक रहे संजीव सिंह को 12 अप्रैल, 2017 को हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

एसआईआर के विरोध में झारखंड विधानसभा में प्रस्ताव पारित करना वोट बैंक की राजनीति: मरांडी

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के अपने 'वोट बैंक' को बचाने के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने का आरोप लगाया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता मरांडी ने रांची में भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया, ''सरकार ने केवल वोट बैंक की राजनीति को साधने के लिए राज्य विधानसभा में एसआईआर के विरोध में प्रस्ताव पारित किया। एसआईआर का विरोध करते हुए, झामुमो, कांग्रेस और राजद की गठबंधन सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि वे न केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को झारखंड में बसाना चाहते हैं, बल्कि उन्हें मतदाता भी बनाना चाहते हैं।'' एसआईआर के विरोध में एक प्रस्ताव मंगलवार को विधानसभा में पारित किया गया। यह प्रस्ताव संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पेश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर का उद्देश्य केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार को सीधे लाभ पहुंचाना है।

वायुसेना ने बाढ़ प्रभावित पठानकोट में 60 सिंचाई अधिकारियों को हवाई मार्ग से सुरक्षित निकाला

चंडीगढ़ : भारतीय वायुसेना ने पंजाब के पठानकोट जिले में माधोपुर बैराज के द्वार खोलने के लिए तैनात 60 सिंचाई अधिकारियों को बुधवार को हवाई मार्ग से सुरक्षित निकाल लिया जबकि एक अधिकारी लापता है। अधिकारियों के मुताबिक इसके अतिरिक्त, रावी नदी पर स्थित माधोपुर हेडवर्क्स के दो गेट भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पठानकोट के उपायुक्त आदित्य उप्पल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'वायुसेना के हेलीकॉप्टरों की मदद से 60 लोगों को बचाया गया है।' उन्होंने यह भी बताया कि लापता अधिकारी का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। उपायुक्त आदित्य उप्पल ने कहा, 'तलाशी अभियान जारी है। हमारी टीमें मौके पर मौजूद हैं, और हमने नीच की ओर सभी लोगों को तलाशी में मदद करने के लिए सूचित कर दिया है।''

पत्नी को जिंदा जलाने के आरोप में हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

अमरोहा : उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में दहेज को लेकर हुए विवाद में पत्नी को कथित तौर पर जिंदा जलाने के लिए राज्य पुलिस के एक हेड कांस्टेबल को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी देवेंद्र सिंह रामपुर में तैनात था। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित परिवार ने देवेंद्र के खिलाफ दहेज के लिए पत्नी पारुल सिंह का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए डिडौली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि इकोंदा गांव में नर्स पारुल को मंगलवार को घटित इस घटना में गंभीर चोटें आई हैं।

ट्रंप ने फोन किया तो प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई पांच घंटे में रोक दी: राहुल

दरभंगा/मुजफ्फरपुर : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान का हवाला देते हुए दावा किया कि ट्रंप के फोन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में की जा रही सैन्य कार्रवाई को पांच घंटे के भीतर रोक दिया था। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मुजफ्फरपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए यह दावा किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''ट्रंप ने आज कहा है कि जब भारत और पाकिस्तान का युद्ध हो रहा था तो मैंने नरेन्द्र मोदी को फोन कर कहा कि आप यह जो कर रहे हैं उसे 24 घंटे के अंदर बंद करिए। नरेन्द्र मोदी ने 24 घंटे में नहीं, सिर्फ पांच घंटे में ही सारा का सारा (सैन्य अभियान) रोक दिया। उन्होंने दावा किया कि इसे मीडिया में नहीं बताया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान के बीच युद्ध को ''परमाणु युद्ध'' में बदलने से रोक दिया था और उन्हें यह धमकी दी थी कि अगर दोनों पड़ोसी देश संघर्ष विराम पर सहमत नहीं हुए तो वह कोई व्यापार समझौता नहीं करेंगे तथा उन पर शुल्क (टैरिफ) लगाएंगे। ट्रंप ने मंगलवार को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में एक कैबिनेट बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की थी।

प्रयागराज में फिर बन रहे बाढ़ के हालात, प्रशासन ने कसी कमर

प्रयागराज : देश के विभिन्न राज्यों में बादल फटने, भूस्खलन जैसी आ-पदाओं के बीच बांध से पानी छोड़े जाने से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक बार फिर बाढ़ के हालात बन रहे हैं और गंगा-यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बुधवार शाम चार बजे तक नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 83.98 मीटर दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि वहीं फाफामऊ में गंगा नदी का जलस्तर 83.79 मीटर, छतनाग में 83.36 मीटर और बक्शी बांध पर 83.98 मीटर दर्ज किया गया। उपजिलाधिकारी (सदर) अभिषेक सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बाढ़ के खतरे को देखते हुए सदर क्षेत्र में पांच आश्रय स्थल मंगलवार से ही शुरू हो गए हैं, जिनमें लगभग 1200 लोग आ भी चुके हैं। उन्होंने बताया कि इन आश्रय स्थलों में एक केंद्र आश्रय स्थल सदर बाजार में है, एक आश्रय स्थल छोटा बघाड़ा में एनी बेसेंट स्कूल में खोला गया है। तीन आश्रय स्थल अन्य जगहों पर खोले गए हैं। इसके अलावा, तीन आश्रय स्थल जल्द ही खोल दिये जाएंगे।

बिहार: नालंदा ज़िले के एक गांव के दौरे के दौरान बिहार के मंत्री और विधायक को भीड़ ने खदेड़ा

नालंदा (बिहार) : बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और जनता दल (यूनाइटेड) विधायक कृष्णमुरारी शरण बुधवार को उस वक्त बाल-बाल बच गये जब नालंदा जिले के हिलसा इलाके में भीड़ ने कथित तौर पर उन्हें खदेड़ दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना हिलसा थाना क्षेत्र के मलावा गांव में उस समय हुई जब कुमार और शरण 23 अगस्त को पटना में एक सड़क दुर्घटना में मारे गए आठ ग्रामीणों के लिए आयोजित एक प्रार्थना सभा-सह-रस्म पगड़ी में शामिल होने गए थे। पटना जिले में शनिवार को एक टेंपो और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में सात महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। नालंदा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) भरत सोनी ने कहा, ''खबरों के मुताबिक, प्रार्थना सभा के बाद जब मंत्री और विधायक अपने वाहनों की ओर लौट रहे थे, तो ग्रामीणों के एक समूह ने उन्हें रोकने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप किया, जिससे तीखी बहस हुई। मंत्री और विधायक तुरंत अपने वाहन में बैठकर मौके से चले गए।' उन्होंने आगे कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

बरेली में धर्मांतरण कराने के आरोप में मदरसे के मौलवी समेत चार गिरफ्तार

बरेली (उप्र) : बरेली पुलिस ने धर्मांतरण के एक ऐसे बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है जो मुस्लिम लड़कियों के जरिये हिंदुओं का धर्मांतरण कराता था। इस गिरोह में शामिल एक मौलवी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पैसे का लालच देकर निकाह कराता और फिर धर्म परिवर्तन कराता था। पुलिस ने मदरसे में बंधक एक युवक को भी मुक्त कराने का दावा किया है जिसका धर्म परिवर्तन कर निकाह कराने की तैयारी चल रही थी। पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अंशिका वर्मा ने बताया कि पुलिस ने युवक को सकुशल मुक्त कराने के बाद उसे उसके परिवार को सौंप दिया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान फैजनगर स्थित मदरसे के मौलवी अब्दुल मजीद (35), सलमान (30), मोहम्मद आरिफ और फहीम के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इनके खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 और बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह का नेटवर्क 13 प्रदेशों के 30 जिलों तक फैला है। यह गिरोह वित्तीय रूप से कमजोर, अविवाहित युवकों और दिव्यांग लोगों समेत कमजोर तबके के लोगों की पहचान करता था और प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण कराता था। उन्होंने बताया कि पेशे से दर्जी सलमान मदद की पेशकश करने या मुस्लिम लड़कियों से परिचय कराने के बहाने हिंदू परिवारों से मिलता था। वहीं, पेशे से नाई फहीम इस काम में सलमान की मदद करता था। उन्होंने बताया कि एक बार प्रभाव में आने पर व्यक्ति को मदरसा लाया जाता जहां उनको फुसलाया जाता और उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए धार्मिक साहित्य और सीडी आदि दी जाती थी। पुलिस ने मदरसे से भारी मात्रा में धार्मिक सामग्री, धर्म परिवर्तन प्रमाण पत्र बरामद किया है।

हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज की

जोधपुर : राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने बुधवार को 2013 के बलात्कार मामले में अंतरिम जमानत बढ़ाने की कथावाचक आसाराम की याचिका खारिज कर दी और किसी भी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति की आशंका से इनकार किया। उसकी जमानत अवधि 29 अगस्त को समाप्त हो रही है, जिसके बाद उसे जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण करना होगा। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने अहमदाबाद सिविल अस्प-ताल के डॉक्टरों की चिकित्सा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आसाराम की बीमारी इतनी गंभीर नहीं है कि उसकी जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। याचिका को खारिज करते हुए, पीठ ने जेल अधिकारियों को हिरासत के दौरान उसे व्हीलचेयर और एक सहायक की मदद लेने की अनुमति दे दी। अदालत ने हालांकि आवश्यकता पड़ने पर उसे जांच के लिए एम्स जोधपुर ले जाने की अनुमति दे दी। आसाराम की अंतरिम जमानत को पहले चिकित्सा रिपोर्ट के आधार पर बढ़ाया गया था, जिसमें हृदय संबंधी गंभीर समस्याओं की ओर इशारा किया गया था।

वर्ग पहेली नं. 3190

1			2	■	3		4		■
	■	■	5			■		■	6
7	8			■	■	■	9		
■		■		■	10	11		■	
■		■	12		■		■	13	■
14		15		■	■	16			
	■		■	17			■		■
18			■		■		■	19	20
	■	21				■	22		

ऊपर से नीचे:- 1) अस्पर्शित, 2) उलटा सीधा; इधर-उधर फैला हुआ, 3) जिद करना, 4) उद्देश्य, 6) सहमत; रेडिमेड *(माल)*; तत्पर, 8) निर्दोष; निरपराध; बेजुर्म, 11) परंपरा, 13) अनासक्ति; उपेक्षा; उदासी, 14) भीषण; घनघोर, 15) रसोइया, 17) बाँस आदि की पतली छड़ी, 20) दोस्त. *(उत्तरः अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) इज़ाज़त, 3) मरणासन्न; अर्धमृत, 5) अल्पतम, 7) आज्ञाकारी, 9) संहार; नाश, 10) वीणापाणि कलहप्रिय देव-मुनि, 12) ढंग; शैली, 14) गृहस्थी, 16) नातेदार, 17) सुबह का जल-पान 18) कृतज्ञतापूर्वक, 19) आधुनिक, 21) धज्जी धज्जी, 22) पंक्ति.

पिछली पहेली का उत्तर

ब	■	आ	र्थि	क	■	■	ज	ल्ला	द
द	रा	र	■	म	ला	मा	ल	■	लि
हा	■	पा	ग	ल	■	लू	■	■	द्द
ल	च	र	■	■	स	म	झ	दा	र
■	ट	■	बं	धु	त्व	■	ल्ला	■	■
ना	प	सं	द	■	र	त	ना	र	■
प	टा	■	र	वि	■	ल	■	स	दी
तै	■	क	■	हं	■	ब	द	ना	म
ल	ड़ा	ई	झ	ग	ड़ा	■	म	■	क

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3147

	5	2						4
	3	6		9				
		7			8			6
7				2			8	
			9					
			8	4		7		
	1					8		3
		4			6			
	9							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सुडोकू पहेली - 3146 का उत्तर

8	1	3	4	6	5	2	9	7
7	4	9	8	1	2	6	5	3
2	5	6	7	3	9	1	4	8
4	9	2	5	8	6	7	3	1
1	6	8	3	7	4	9	2	5
5	3	7	9	2	1	8	6	4
6	8	1	2	5	3	4	7	9
3	2	4	1	9	7	5	8	6
9	7	5	6	4	8	3	1	2

दुर्गा पूजा पर बिजली आपूर्ति को लेकर मंत्री अरूप बिस्वास की ने बैठक, दिए कई सख्त निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : पूरे शहर में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूजा समिति के साथ-साथ सरकार की ओर से भी तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में, मंत्री अरूप विश्वास और अन्य अधिकारियों ने पूजा पंडालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को एक बैठक की। उन्होंने दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर बिजली विभाग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। बैठक में मंत्री अरूप विश्वास, डब्ल्यूबीएसईडीसीएल और सीईएससी के अधिकारी और अन्य संगठन मौजूद थे।

अरूप विश्वास ने कहा कि हर साल की तरह इस बार भी सरकार ने डीवीसी, एनटीपीसी, रेलवे समेत विभिन्न विभागों के साथ बैठक की है। पूजा मंडपों को बिजली कनेक्शन देने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले क्षेत्र में, 2011 में 20,970 पूजाएं आयोजित की गईं थी, जिससके लिए केवल 210 मेगावाट बिजली की आवश्यकता थी। उस क्षेत्र में अब 50,550 पूजाएं आयोजित की जाती हैं। अब, 1,348 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है। यानी, मांग में 542 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दूसरी तरफ, सीईएससी सेवा क्षेत्र में, 2024 में 5,484 पूजाओं के लिए बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए। इसके लिए 55 मेगावाट बिजली की आवश्यकता थी। कुल मिलाकर, 56,034 पूजाएं आयोजित की जाती हैं जहां सरकार द्वारा बिजली कनेक्शन प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, विभिन्न घरों और क्लबों में भी पूजाएं होती हैं जहां अलग से बिजली कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होती है। पिछले वर्ष तृतीया और चतुर्थी में बिजली की मांग बढ़ गई थी। चतुर्थी के दौरान 9,912.71 मेगावाट बिजली की आवश्यकता थी। उसके बाद, मांग धीरे-धीरे कम होती गई।

मंत्री ने कहा कि इस वर्ष लगभग 12,000 मेगावाट बिजली की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार और सीईएससी इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के 1,616 वरिष्ठ अधिकारी पूजा के दौरान 24 घंटे कार्यालय में रहेंगे। मंत्री ने कहा कि कुल 73,714 कर्मचारी पूजा के दौरान सेवाएं प्रदान करेंगे। मंत्री अरूप बिस्वास ने बताया कि इस बार, पूजा में 3,450 मोबाइल वैन तैनात रहेंगी। अगर कहीं बिजली की समस्या हो, तो हेल्पलाइन नंबर 19121 पर कॉल करें। व्हाट्सऐप नंबर 8900793504 पर भी संपर्क करें। अगर सीईएससी से कोई समस्या हो, तो 9831079666 पर संपर्क करें।

मंत्री ने पूजा समिति से अपील की कि वे जरूरत के अनुसार पूरी बिजली के लिए आवेदन करें। उन्होंने मंडप में ज्वलनशील पदार्थों और कटे हुए तारों से बिजली कनेक्शन के बारे में भी चेतावनी दी।

दुर्गा पूजा से पहले रूफटॉप रेस्टोरेंट खोलने की सशर्त अनुमति

मेयर ने अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन का दिया निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा

शहर भर के रूफटॉप रेस्टोरेंट को फिर से खोलने की अनुमति दे दी गई है। हालांकि, यह अनुमति कई शर्तों के साथ दी गई है। पूजा के दौरान आम जनता की भीड़, खाने-पीने के शौकीनों की मांग और बड़ी संख्या में कामगारों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता नगर निगम ने रूफटॉप रेस्टोरेंट्स खोलने की इजाजत दे दी है। मेयर फिरहाद हकीम ने बुधवार को कहा कि अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए रूफटॉप रेस्टोरेंट्स चलाए जा सकते हैं। कानून का उल्लंघन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पहली शर्त, छत का 50 प्रतिशत हिस्सा खाली रखना होगा। शेष 50 प्रतिशत हिस्सा ही रेस्टोरेंट के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। दूसरी, आग लगने की स्थिति में अग्निशमन विभाग की हाइड्रोलिक सीढ़ी जिस जगह जाएगी, उसे खाली रखना होगा। तीसरी, सीढ़ियों और निकास द्वारों को हमेशा खाली और साफ रखना होगा। चौथी, किसी तीसरे पक्ष द्वारा फायर ऑडिट करवाना होगा और उसकी रिपोर्ट अग्निशमन विभाग को सौंपनी होगी। पांचवीं, गैस सिलेंडर का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित है। केवल माइक्रोवेव और इलेक्ट्रिक ओवन का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा। छठी, छत को किसी भी हालत में बेचा नहीं जा सकेगा। छत का इस्तेमाल इमारत के साझा क्षेत्र के रूप में ही किया जा सकेगा। शर्तें लगाने के साथ ही मेयर ने कहा कि शहर के लोग छत पर खाना पसंद करते हैं। लेकिन उनकी सुरक्षा हमारे लिए सबसे ज़रूरी है। इसलिए, रूफटॉप रेस्टोरेंट्स को शर्तों के अनुसार ही चलाना होगा। अगर कोई नियमों का उल्लंघन करता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 29 अप्रैल को बड़ाबाजार के ऋतुराज होटल में लगी भीषण आग में बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो गई थी। उस आग की घटना के बाद ही अहम कदम उठाते हुए कोलकाता के सभी रूफटॉप कैफे और रेस्टोरेंट बंद कर दिए गए थे।

'पिछला हिसाब दिए बिना नहीं मिलेगा नया फंड', दुर्गा पूजा अनुदान पर हाई कोर्ट का सख्त निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा

दुर्गा पूजा समितियों को मिलने वाले सरकारी अनुदान को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने साफ कर दिया है कि पिछले साल मिले अनुदान का पूरा हिसाब-किताब दिए बिना किसी भी क्लब को नया अनुदान नहीं मिलेगा। इसे बंगाल सरकार के लिए बड़े झटके रूप में देखा जा रहा है। बुधवार को न्यायमूर्ति सुजय पाल और न्यायमूर्ति स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि सरकारी पैसे का इस तरह बेतरतीब खर्च नहीं हो सकता। जिन क्लबों ने अब तक बीते साल का हिसाब नहीं दिया है, उन्हें एक महीने की मोहलत दी

गई है। तय समय सीमा में उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) जमा करने वाले क्लबों को ही इस साल का अनुदान मिलेगा। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि साल 2024 में कोलकाता पुलिस इलाके की 2,876 पूजा समितियों को अनुदान दिया गया था और सभी ने उपयोगिता प्रमाणपत्र जमा किया है। वहीं, जिलों में 41,799 चेक जारी किए गए, जिनमें से 41,795 क्लबों ने अनुदान लिया और 41,792 ने हिसाब भी दिया। केवल सिलिगुड़ी पुलिस के अधीन तीन क्लबों ने अब तक प्रमाणपत्र नहीं सौंपा है। बता दें कि इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा था कि राज्य को प्रत्येक आयोजक को 10 लाख रुपये देने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह पूजा के आयोजन के अनुरूप होगा। 85 हजार रुपये आवश्यक व्यय की तुलना में कुछ भी नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में कई दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया और महसूस किया कि 85,000 रुपये आयोजन में किए गए खर्च के लिए कुछ भी नहीं है।

आज टीएमसीपी का स्थापना दिवस, शहर में निकलेंगे तीन बड़े जुलूस

- **शहर में यातायात बाधित होने की आशंका, सीयू ने पुलिस को लिखा पत्र**
- **तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी होंगी मुख्य वक्ता, अभिषेक भी रहेंगे उपस्थित**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य भर में आज तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद (टीएमसीपी) का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी कोलकाता में होने वाली मुख्य बैठक में मौजूद रहेंगी। ऐसे में आज शहर में यातायात बाधित होने की आशंका है। दूसरी तरफ, कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयू) ने परीक्षाओं के कारण पुलिस को पहले ही पत्र लिख दिया है। शहर में बैठक की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। टीएमसीपी समर्थक दूर-दराज के ज़िलों से कोलकाता पहुंच चुके हैं। टीएमसीपी के प्रदेश अध्यक्ष त्रिनंकुर भट्टाचार्य बुधवार की सुबह से ही बैठक स्थल का दौरा किया। कई जुलूसों के कारण शहर की सामान्य स्थिति बाधित होने का ख़तरा है। इस दिन, शहर में तीन बड़े जुलूस निकलने वाले हैं। पहला जुलूस सुबह 9 बजे खुदीराम अनुशीलन केंद्र से निकलेगा। इसके बाद, दूसरा जुलूस सुबह 11 बजे डोरीना क्रॉसिंग से निकलेगा। एक और जुलूस सुबह 11:45 बजे तारामंडल से निकलेगा। नतीजतन, यातायात बाधित होने का ख़तरा है। इस बीच, उच्च शिक्षा विभाग के अनुरोध के बावजूद, कलकत्ता विश्वविद्यालय ने परीक्षा तिथि में कोई बदलाव नहीं किया। इसलिए, कलकत्ता विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोलकाता पुलिस मुख्यालय को पहले ही पत्र लिख दिया है ताकि जुलूस के कारण अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो। टीएमसीपी नेतृत्व ने अभ्यर्थियों की मदद करने का आदेश दिया है ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ममता सरकार ने संविदा ग्रुप-डी कर्मचारियों का भत्ता बढ़ाया

कोलकाता, समाज्ञा

ममता सरकार ने संविदा ग्रुप-डी कर्मचारियों का भत्ता बढ़ा दिया है। बता दें कि पहले यह भत्ता 2 हजार रुपये था। अब इसे बढ़ाकर 5

हजार रुपये कर दिया गया है। वित्त विभाग ने एक अधिसूचना के जरिए इसकी घोषणा पहले ही कर दी है। यह फैसला इसी साल 1 अगस्त से लागू हो गया है। वित्त विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ग्रुप-डी श्रेणी के अंशकालिक कर्मचारी जो साल भर या साल के किसी खास समय पर काम करते हैं और जिनका भत्ता आकस्मिकता क्षेत्र से दिया जाता है, उनका मासिक भत्ता अब 5 हजार रुपये तय किया गया है। इसके अलावा, कोई अन्य भत्ता या अलग लाभ नहीं मिलेगा। राज्य सरकार ने यह भी बताया है कि 29 नवंबर 2022 को तय शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी, पुराने सभी नियम यथावत रहेंगे, सिर्फ मासिक भत्ते की राशि बढ़ाकर 5 हजार कर दी गई है। अधिसूचना में खास तौर पर जिक्र है कि यह फैसला 1 अगस्त 2025 से लागू होगा।

लगातार प्रसूति की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया नया दिशानिर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : एक के बाद एक प्रसूति की मौत को लेकर राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य भर के सभी सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों और यहां तक कि ब्लॉक स्तर के प्रसव केंद्रों पर भी नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

इसका उद्देश्य यह है कि प्रसव के दौरान किसी और मां की जान न जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नए दिशानिर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सिजेरियन के बाद रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सलाइन एक निश्चित मात्रा में और एक निश्चित समय पर देना होगा। क्योंकि, शरीर में अधिक सलाइन जाने से किडनी फेलियर या एनीमिया जैसी जटिलताएं हो सकती हैं। क्रिस्टलॉयड घोल का उपयोग करते समय एक विशिष्ट प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। दिशानिर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया जाता है तो गंभीर खतरे हो सकते हैं।

मुख्य सचिव ने नवान्न में जिलाधिकारियों के साथ की आपात बैठक

जिलों में ईआरओ-एईआरओ के रिक्त पदों को भरने का आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : क्या राज्य में जल्द ही एसआईआर लागू होगी? विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक गतिविधियों को लेकर अटकलें तेज हैं। दरअसल, राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने बुधवार की सुबह करीब 10.30 बजे नवान्न में जिलाधिकारियों के साथ एक घंटे से अधिक समय तक आपात बैठक की। सूत्रों के अनुसार, बैठक के बाद स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा और ईआरओ-एईआरओ की नियुक्ति की रिपोर्ट 29 अगस्त तक चुनाव आयोग को भेज दी जाएगी। नवान्न सूत्रों के अनुसार, ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामलों समेत कई कारणों से यह नियुक्ति प्रक्रिया लंबे समय से अटकी हुई थी। नतीजतन, पूरे राज्य में अभी भी लगभग 612 पद खाली हैं। हालांकि, मतदान के लिहाज से ईआरओ और एईआरओ की मौजूदगी बेहद अहम है। पता चला है कि एईआरओ की ज़िम्मेदारी अस्थायी रूप से प्रखंड प्रसार अधिकारियों या समकक्ष अधिकारियों को देने की योजना है। हालांकि, इसके लिए चुनाव आयोग की मंज़ूरी ज़रूरी है। इसीलिए, नवान्न ने अतिरिक्त एहतियात के तौर पर ज़िलों के अधिकारियों को पत्र भेजा है। इस बीच, बूथों की संख्या बढ़ने के कारण बीएलओ की संख्या भी बढ़ानी पड़ रही है। नए नाम आयोग को भेजे जा चुके हैं, और मंज़ूरी भी मिल गई है।

- **दो दिनों में श्रमश्री परियोजना में तीन हजार आवेदन मिले**

प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य के श्रमश्री कार्यक्रम को दो दिनों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। नवान्न सूत्रों के अनुसार, पिछले दो दिनों में अन्य राज्यों के लगभग तीन हजार श्रमिकों ने श्रमश्री परियोजना के लिए आवेदन किया है। प्रवासी श्रमिकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों की विस्तृत जानकारी राज्य श्रम विभाग द्वारा जिलों को दी जाएगी। जिलाधिकारियों को प्रवासी श्रमिकों के लिए निर्देशों को लागू करना होगा। जिलाधिकारियों के साथ एक आभासी बैठक में मुख्य सचिव का यह आदेश दिया।

एसएससी घोटाले में गिरफ्तार तृणमूल विधायक की बुआ और तृणमूल पार्षद को ईडी का समन

कोलकाता, समाज्ञा

स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) भर्ती घोटाले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस की पार्षद और गिरफ्तार विधायक जीवनकृष्ण साहा की बुआ माया साहा को पूछताछ के लिए तलब किया है। उन्हें गुरुवार को कोलकाता के साल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स ऑफिस में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि गिरफ्तारी के दिन ही ईडी ने जीवनकृष्ण साहा के कई रिश्तेदारों के घरों पर छापेमारी की थी, जिनमें साईंथिया नगरपालिका की तृणमूल पार्षद और उनकी बुआ माया साहा का निवास भी शामिल था। जांच एजेंसी ने यह भी पाया कि विधायक के ड्राइवर के नाम पर कई संपत्तियां खरीदी गई हैं। सूत्रों के अनुसार, साहा के रिश्तेदारों के बैंक खातों में भारी मात्रा में धन हस्तांतरित हुआ है। इसी सिलसिले में माया साहा को पूछताछ के लिए समन जारी किया गया है।

विधायक खाते से भी जीवनकृष्ण साहा ने किया है अवैध लेनदेन, खंगाल रही ईडी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब तृणमूल विधायक जीवनकृष्ण साहा के विधानसभा वेतन से जुड़े बैंक खाते की जांच शुरू करने जा रही है, जिसमें भ्रष्टाचार से जुड़े लेनदेन होने की आशंका जताई गई है। उल्लेखनीय है कि साहा को इससे पहले अप्रैल 2023 में एसएससी भर्ती घोटाले के आरोप में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। उस समय उन्हें लगभग 13 महीने जेल में रहना पड़ा। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने उनके सभी बैंक खातों को सील कर दिया था, जिसके चलते विधानसभा की ओर से मिलने वाला वेतन और विभिन्न समितियों की बैठकों में भागीदारी का भत्ता उनके खाते में भेजना बंद कर दिया गया। मई 2024 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उन्होंने दोबारा विधायक के रूप में कामकाज शुरू किया। इसके लिए विधानसभा सचिवालय से गुहार लगाकर अपने वेतन खाते को फिर से चालू करवाया। तब से अब तक साहा ने इस खाते के जरिए कई वित्तीय लेनदेन किए, जिसकी जानकारी ईडी को जांच के दौरान मिली। हालांकि, विधानसभा सचिवालय का कहना है कि अभी तक ईडी की ओर से औपचारिक रूप से किसी तरह की जानकारी नहीं मांगी गई है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि आगामी दिनों में जीवनकृष्ण साहा का यह वेतन खाता ईडी द्वारा सीज किए जाने की पूरी संभावना है।

रुजीरा मामले में मीडिया की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं करेगा अदालत

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजीरा बनर्जी के खिलाफ मीडिया में अशोभनीय टिप्पणी प्रकाशित होने के आरोप पर दायर याचिका की सुनवाई में कोलकाता हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। मंगलवार को न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि अदालत मीडिया की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले की अंतिम सुनवाई सिंगल बेंच में ही होगी। डिवीजन बेंच ने यह साफ कर दिया कि कोई भी अंतरिम आदेश आजीवन लागू नहीं रह सकता, इसकी एक समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए। न्यायमूर्ति मंथा ने यह सवाल भी उठाया- एक अंतरिम आदेश अनिश्चितकाल तक कैसे लंबित रह सकता है? इस बीच, मामले के पक्षकार की ओर से वकील विकास रंजन भट्टाचार्य ने अदालत को बताया कि 19 जून 2024 को को-ऑर्डिनेट बेंच से यह अंतरिम आदेश पारित किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट भी कई बार यह कह चुका है कि हम मीडिया की स्वतंत्रता में दखल नहीं दे सकते। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि किसी नागरिक की नागरिकता पर सवाल उठाते हुए मीडिया में खबर प्रकाशित की गई थी, और उसी संदर्भ में अंतरिम आदेश लाया गया था। जबकि संबंधित व्यक्ति एक प्रभावशाली राजनीतिक नेता की पत्नी हैं।

वहीं राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि 7 मार्च 2024 को भी मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर अंतरिम आदेश जारी किया गया था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति मंथा ने अपने अवलोकन में कहा, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पहले से ही प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की गाइडलाइन के तहत चलते हैं। जांच एजेंसियों ने जिन प्रकाशित सूचनाओं का उपयोग किया है, उनके आधार पर मीडिया पर हमला नहीं किया जा सकता। अदालत भी इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती। डिवीजन बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि 17 अक्टूबर 2023 का आदेश आगामी 15 नवंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा। इस बीच मामले की अंतिम सुनवाई न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य की सिंगल बेंच में की जाएगी।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार शुरू करेगी 'शॉपिंग स्पेशल' बसें

- **पूजा से 15 दिन पहले शुरू होगी यह सेवा, हावड़ा-सियालदह से मिलेगी अतिरिक्त सेवाएं**
- **पंचमी से रात्रि बस सेवा रहेगी उपलब्ध**

कोलकाता, समाज्ञा : दुर्गा पूजा में अभी एक महीना बाकी है। ऐसे में आम आदमी खरीदारी में व्यस्त है। आम आदमी की सुविधा के लिए परिवहन विभाग विशेष शॉपिंग स्पेशल बसें शुरू करने जा रहा है। यह सेवा मुख्य रूप से हावड़ा और सियालदह स्टेशनों के बीच है। दरअसल, पूजा के मौसम में, बहुत से लोग कपड़े खरीदने शहर आते हैं। आम लोग ही नहीं, कई व्यवसायी भी कोलकाता आते हैं। वहां भी भारी भीड़ होती है। इसे ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार सड़कों पर अतिरिक्त बसें चलाने जा रही है। पता चला है कि यह बस सेवा दुर्गा पूजा से 15 दिन पहले शुरू होगी। हावड़ा सियालदह स्टेशन से गरियाहाट,

श्यामबाजार, न्यू मार्केट तक शॉपिंग स्पेशल बसें चलेंगी। शुरुआत में, यह पता चला है कि 25 स्पेशल बसें चलेंगी। अगर भीड़ और मांग बढ़ी, तो बसों की संख्या भी बढ़ सकती है। केवल विशेष शॉपिंग बसें ही नहीं, बल्कि पूजा के दौरान रात में भी एक रात्रि बस सेवा होगी। पंचमी से नवमी तक रात्रि सेवा उपलब्ध रहेगी। यह बस रात में कई पर्यटकों को शहर ले जाएगी। यह सेवा कहां सियालदह और हावड़ा स्टेशनों के बीच भी चलेंगी। वहीं, यह सेवा बारासात तक उपलब्ध होगी।

- **बनेड़ी बाड़ी की पूजा परिक्रमा के लिए विशेष बस सेवा**

बनेड़ी बाड़ी की पूजा परिक्रमा के लिए परिवहन विभाग उत्तर से दक्षिण तक विशेष सेवा शुरू करेगा। वोल्वो एसी बसों से कोलकाता में बनेड़ी बाड़ी के ठाकुर के दर्शन की व्यवस्था की जा रही है। यह विशेष बस सेवा पूजा के सप्तमी, अष्टमी और नवमीं के दिन उपलब्ध रहेगी। बस सुबह 8 बजे एस्प्लेनेड ट्राम टर्मिनस से रवाना होगी। इन बसों से बदन चंद्र रॉय बाड़ी, बागबाजार हलधर बाड़ी, बेलूर मठ, शोभाबाजार राजबाड़ी 1, शोभाबाजार राजबाड़ी - 2, चाटुबाबू और लाटुबाबू बाड़ी (अष्टमी को छोड़कर), रानी रश्मोनी की बाड़ी, बेहाला रॉय बाड़ी, बेहाला सोनार दुर्गा बाड़ी, सबर्ना रॉय चौधरी बाड़ी की अतचलर पूजा, और सबर्ना रॉय चौधरी की मेजो बाड़ी पूजा दिया जाएगा। किराया 2200 रुपये प्रति व्यक्ति है। यह निर्णय लिया गया है कि 5-10 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 1,650 रुपये किराया लिया जाएगा, तथा 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कोई किराया नहीं लिया जाएगा।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/692 दिनांक : 25.08.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 निम्नलिखित विद्युत कार्यों के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **क्रम. सं. 1; निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3374; कार्य का नाम:** "श्रीरामपुर - सीनियर डीईएन (1) / एचडब्ल्यूएच के तहत श्रीरामपुर गुड्स शेड का उन्नयन और आधुनिकीकरण" के लिए विद्युत सामान्य कार्य; **निविदा मूल्य :** रु.57,73,502.00; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 1,15,500.00; **क्रम. सं. 2; निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3473; कार्य का नाम:** सीनियर डीईएन (1) / एचडब्ल्यूएच के तहत बेण्डल गुड्स शेड के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए विद्युत सामान्य कार्य; **निविदा मूल्य :** रु. 74,13,349.00; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 1,48,300.00; **क्रम. सं. 3; निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3480; कार्य का नाम:** ऑफिसर्स रेस्ट हाउस/हावड़ा न्यू स्टेशन कॉम्प्लेक्स में एक पैसेंजर लिफ्ट (निर्माण - ओमेगा एलिवेटर्स) का 36 महीने के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध; **निविदा मूल्य :** रु. 5,05,257.00; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 10,100.00; **समापन अवधि :** क्रम सं. 1, 2 के लिए 180 दिन और क्रम सं. 3 के लिए 36 महीने; **समापन तिथि एवं समय:** 17.09.2025 को 15:00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित समापन तिथि किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित हो जाती है, तो ऑनलाइन निविदा समापन तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देता है। हालाँकि, ऑनलाइन निविदाएँ निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन खोली जा सकेंगी। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत करें।
(HWH-267/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईपीडी / डब्ल्यू / सीओएन / एफआरपी सीएबी / लोको / 01/25-26 दिनांक: 23.08.2025, उप मुख्य विद्युत अभियंता (पी एंड डी) / पूर्व रेलवे कांचरापाड़ा कार्यशाला, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, पिन-743145 निम्नलिखित कार्य के लिए सिद्ध अनुभवी ठेकेदार से खुली ई-निविदा आमंत्रित करता है: निविदा सं. : **ईपीडी / डब्ल्यू / सीओएन / एफआरपी सीएबी / लोको / 01 / 25-26, कार्य का नाम :** इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए एफआरपी कैब इंटीरियर का प्रावधान, मात्रा-100 नंबर; **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 13,75,91,200.00; **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। जीसीसी-अप्रैल 2022 के तहत भाग-I के भाग सं. 3 के अनुसार, सभी निविदाकारों को ई-निविदा फॉर्म निःशुल्क जारी किए जाएंगे; **ई-निविदा प्रारंभ करने वाले कार्यालय का पता:** कार्यालय उप मुख्य विद्युत अभियंता / योजना एवं विकास / पूर्व रेलवे/ कांचरापाड़ा कार्यशाला, पिन-743145; **बोली सुरक्षा राशि ई-पेमेंट गेट वे या बैंक गारंटी बांड के माध्यम से जमा की जानी है:** रु. 8,38,000.00 [रेलवे बोर्ड के दिनांक 27.04.2022 के एल/सं. 2022/सीई-I/सीटी/जीसीसी-2022/नीति (अग्रिम सुधार पर्ची संख्या 5 दिनांक 20.10.2023) के अनुसार, निविदाकर्ता उक्त राशि की बोली सुरक्षा बैंक गारंटी बांड के रूप में भी जमा कर सकते हैं। मूल बैंक गारंटी बोली जमा करने की अंतिम तिथि (अर्थात बोली जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) से पहले उप मुख्य विद्युत अभियंता/पी एंड डी/केपीए को सौंप दी जानी चाहिए। बीजी बांड का प्रारूप जीसीसी-अप्रैल 2022 में उल्लिखित है। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जीसीसी-अप्रैल 2022 (संशोधनों के साथ) का पालन करें।] **कार्य की पूर्णता अवधि:** 24 (चौबीस) महीने; **बोली प्रस्तुत करने की आरंभ तिथि:** 19.09.2025 से; **बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 03.10.2025 को 14.45 बजे तक; **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा दिनांक 03.10.2025 को 15.00 बजे खोली जाएगी। निविदा का पूरा विवरण देखने के लिए वेबसाइट विवरण और नोटिस बोर्ड देखें: **http://www.ireps.gov.in**
(MISC-184/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/खड़गपुर-721301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए मदों के समक्ष उल्लेखित तारीख को अपराह्न 3.00 बजे से पहले ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तथा अपराह्न 3.30 बजे खोली जाएगी। **क्रमांक एवं निविदा सूचना सं.; कार्यों का विवरण; निविदा मूल्य; ईएमडी** क्रमशः निम्नलिखित हैंः (1) टीआरडी-केजीपी-डब्ल्यू-2025-26-10आरटी, दिनांक 26.08.2025; दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/पीएसआई/बालेश्वर के अधीन आरटीएसएस/जलेश्वर में 01 अदद 21.6 एमवीए, 132/27केवी पावर ट्रांसफॉर्मर का पीओएच तथा 01 अदद 132केवी डबल पोल सर्किट ब्रेकर का प्रतिस्थापन; रु. 38,16,273; रु. 76,300; (2) टीआरडी-केजीपी-डब्ल्यू-2025-26-17, दिनांक 26.08.2025; मिशन 3000 एमटी-दक्षिण पूर्व रेलवे-खड़गपुर मंडल - 1. हावड़ा-खड़गपुर अनुभाग के डानकुनी-आन्दुल स्टेशनों के बीच किमी. एसीसी 39डी-एसी/1/28ए पर पुल सं. 4 एसी स्पन 1x30.5 एमजी एवं डानकुनी-आन्दुल स्टेशनों के बीच किमी एसी 2/20-21 पर पुल सं. 7 एसी स्पन 1x30.5 एमजी तथा 2. हावड़ा-खड़गपुर अनुभाग के फुलेश्वर-उलूबेड़िया स्टेशनों के बीच किमी. 31/1x-5x पर पुल सं. 42 अप स्पन 1x18.3+6x12.2 एमजी में 100 किमी प्रति घंटे की गति से 25 एक्सल भार वाली माल गाड़ी चलाने के लिए पुलों का मजबूतीकरण/पुनरुद्धार/पुनर्निर्माण/रीगर्डरिंग; रु. 56,71,488.40; रु. 1,13,400; (3) टीआरडी-केजीपी-डब्ल्यू-2025-26-18, दिनांक 26.08.2025; मिशन 3000 एमटी-दक्षिण पूर्व रेलवे-खड़गपुर मंडल - 1. हावड़ा-खड़गपुर अनुभाग के बीरशिबपुर-बागनान स्टेशनों के बीच किमी 42/7x-15x पर पुल सं. 51 अप स्पन 7x30.5 एमजी एवं 2. खड़गपुर मंडल के डानकुनी-आन्दुल अनुभाग के डानकुनी-आन्दुल स्टेशनों के बीच किमी एसीसी/50सी-51सी पर पुल सं. 3एसी स्पन 1x18.3 एमजी तथा डानकुनी-आन्दुल स्टेशनों के बीच किमी. एसी 1/1-2 पर पुल सं. 2ए स्पन 1x18.3 एमजी में 100 किमी प्रति घंटे की गति से 25 एक्सल भार वाली माल गाड़ी चलाने के लिए पुलों का मजबूतीकरण/पुनरुद्धार/पुनर्निर्माण/रीगर्डरिंग; रु. 46,40,317.40; रु. 92,800; (4) टीआरडी-केजीपी-डब्ल्यू-2025-26-19, दिनांक 26.08.2025; वर्ष 2025-26 के लिए खड़गपुर मंडल के तहत कार्य करने वाली विभिन्न प्रकार की इंजीनियरिंग मशीन के विभिन्न प्रकार के ट्रैक्शन बांडों का डिसकनेक्शन एवं रीकनेक्शन (चरण-II); रु. 38,12,800/-; रु. 76,300; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** प्रत्येक के लिए शून्य। **समापन अवधिः** क्रमांक 1 एवं 4 के लिए 06 (छह) महीने एवं क्रमांक 2 एवं 3 के लिए 12 (बारह) महीने। **जमा करने की तारीखः** क्रमांक 1 एवं 4 के लिए 18.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक तथा क्रमांक 2 एवं 3 के लिए 19.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक। **खुलने की तारीखः** क्रमांक 1 एवं 4 के लिए 18.09.2025 तथा क्रमांक 2 एवं 3 के लिए 19.09.2025; निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण, ब्यौरा, विनिर्देशन हेतु इच्छुक निविदातागण वेबसाइट **www. ireps.gov.in** देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑन-लाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इन कार्यों के लिए मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएंगी। **टिप्पणीः** प्रत्याशित बोलीदातागण सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। (PR-561)

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222 - एस/1/डब्लू - II, दिनांक: 14.08.2025, मंडल अभियंता/III, पूर्व रेलवे, सियालदह, द्वितीय तल, डीआरएम बिल्डिंग, कैसर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता -700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1; निविदा सं.: टीएन-115- 25-26; कार्य का विवरण:** सियालदह डिवीजन-टीआरआर (पी) - (कुल 31.586 टीकेएम) कृष्णानगर-लालगोला अप और डाउन लाइन के बीच कार्य, साथ ही डिवीजनल इंजीनियर (III), सियालदह के अधिकार क्षेत्र में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ पी.वे / भगवानगोला के अधीन अन्य सहायक कार्य; **निविदा मूल्य :** रु. 2,76,76,453.05; **ईएमडी :** रु. 2,88,400.00; **क्रम सं. (2); निविदा सं.: टीएन-117-25-26; कार्य का विवरण:** सियालदह डिवीजन - टीआरआर(पी) - (कुल 38.515 टीकेएम) कृष्णानगर-लालगोला अप लाइन के बीच कार्य, साथ ही डिवीजनल इंजीनियर (III), सियालदह के अधिकार क्षेत्र में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/पी.वे/बेलडांगा के अधीन अन्य सहायक कार्य; **निविदा मूल्य :** रु. 3,37,04,979.19; **ईएमडी :** रु. 3,18,500.00; **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 08.09.2025 सभी निविदाओं के लिए 15.00 बजे। **कार्य की पूर्णता अवधि:** सभी निविदाओं के लिए 12 (बारह) महीने। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** सभी निविदाओं के लिए 08.09.2025 को 15.30 बजे। निविदा दस्तावेज और विवरण **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। निविदा हेतु बोलियाँ उपरोक्त वेबसाइट पर ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रस्तुत की जानी हैं। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत प्रस्तावों को तुरंत अस्वीकार कर दिया जाएगा।
(SDAH-182/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा-बीकानेर-हावड़ा सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस मेड़ता रोड स्टेशन के स्थान पर मेड़ता रोड बाईपास स्टेशन में ठहरेगी

22307/22308 हावड़ा-बीकानेर-हावड़ा सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस मेड़ता रोड स्टेशन के स्थान पर **मेड़ता रोड बाईपास** स्टेशन में ठहरेगी। **22307/22308 हावड़ा-बीकानेर-हावड़ा सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस** की मेड़ता रोड बाईपास स्टेशन में समय-सूची निम्नानुसार होंगीः-

ट्रेन सं. एवं नाम	मेड़ता रोड बाईपास में समय-सूची		ठहराव प्रभावी होने की तिथि
	आगमन	प्रस्थान	
22307 हावड़ा-बीकानेर एसएफ एक्सप्रेस [प्रभावी होने की तिथि (जेसीओ) 28.08.2025]	03.10	03.15	30.08.2025
22308 बीकानेर-हावड़ा एसएफ एक्सप्रेस [प्रभावी होने की तिथि (जेसीओ) 27.08.2025]	00.58	01.03	28.08.2025

ऊपर उल्लेखित ट्रेनों की मार्ग में अन्य स्टेशनों पर ठहराव की समय-सूची में कोई परिवर्तन नहीं होगा। मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

राज्यपाल ने गौड़ बंग विवि के कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटाया

कर्तव्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल डॉ. सी वी आनंद बोस ने प्रोफेसर पवित्र चट्टोपाध्याय को कर्तव्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण गौड़ बंग विश्वविद्यालय के कुलपति पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। राजभवन के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्यपाल का यह आदेश विश्वविद्यालय के महाविद्यालय निरीक्षक द्वारा प्रोफेसर पर कानूनी खर्चों के लिए पैसे मांगने का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद आया है। इधर, रसायन विज्ञान के प्रोफेसर चट्टोपाध्याय ने इस आरोप से इनकार किया है। राजभवन के अधिकारी ने बताया कि कुलाधिपति के आदेश

के माध्यम से, प्रोफेसर पवित्र चट्टोपाध्याय को गौड़ बंग विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में शक्तियों का प्रयोग करने और कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए दिया गया प्राधिकार तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। विश्वविद्यालय के महाविद्यालय निरीक्षक ने कथित अनियमितताओं को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है, जिसमें दावा किया गया है कि अंतरिम कुलपति ने कानूनी खर्चों के के लिए तीन लाख रुपये मांगे थे। राजभवन के अधिकारी ने कहा कि ऐसा आरोप गंभीर है। हम कुलपति के पद पर ऐसे व्यक्ति को नहीं रख सकते जिस पर पैसे मांगने का आरोप हो। राज्य में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कुलाधिपति ने दृढ़ रुख अपनाया कि सरकार को विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है और उन्होंने आदेश दिया कि दीक्षांत समारोह निर्धारित समय पर ही आयोजित किया जाए। लेकिन कुलपति ने इस निर्देश का पालन नहीं किया। कुलपति की इस अवहेलना के कारण कुलाधिपति ने उन्हें तत्काल पद से हटा दिया है।

राज्यपाल ने राज्य सरकार को शांतनु सेन के खिलाफ दिए जांच के आदेश

राज्यपाल डॉ. सी वी आनंद बोस ने पूर्व तृणमूल सांसद शांतनु सेन के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। राज्यपाल ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस बात की जांच करे कि क्या तृणमूल नेता वाकई इलाज के दौरान फर्जी मेडिकल डिग्री का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने यह आदेश राज्य के गृह विभाग को दिया है। दरअसल, डॉ. कुणाल साहा के संगठन 'पीपुल्स फॉर बेटर ट्रीटमेंट' ने राज्यपाल से शिकायत कर दावा किया था कि तृणमूल नेता शांतनु सेन फर्जी मेडिकल डिग्री का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बाद, राज्यपाल ने राज्य सरकार को शांतनु सेन के खिलाफ शिकायत की जांच करने का निर्देश दिया है। राज्यपाल ने संगठन द्वारा राज्यपाल को सौंपा गया पत्र भी राज्य सरकार को भेज दिया है।

न्यूज ब्रीफ

वीवो ने 'इमैजिन अवॉर्ड्स' का तीसरा एडिशन घोषित किया

नई दिल्ली/कोलकाता : वीवो ने 'वीवो इमैजिन स्मार्टफोन फोटोग्राफी अवॉर्ड्स' का तीसरा एडिशन घोषित किया है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य क्रिएटिविटी का जश्न मनाना है और फोटोग्राफर्स एवं फोटोग्राफी प्रेमियों को अपने अनोखे विज़न को स्मार्टफोन लेंस के माध्यम से साझा करने के लिए आमंत्रित करना है। गीताज चन्नाना, हेड ऑफ कॉरपोरेट स्ट्रैटेजी, वीवो इंडिया ने कहा इमैजिन अवॉर्ड्स के तीसरे एडिशन के साथ हम दोबारा यह विश्वास व्यक्त करते हैं कि फोटोग्राफी केवल प्रोफेशनल की नहीं है, यह सभी की है। जोया अख्तर, लेखक और फिल्मकार ने कहा हर व्यक्ति के पास एक कहानी होती है और 'वीवो इमैजिन अवॉर्ड्स' का उद्देश्य उस कहानी को मंच देना है। फोटोग्राफी का अर्थ है दुनिया को सहानुभूति से देखना और इरादे के साथ कैद करना।

हावड़ा-बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस अब मेड़ता रोड बाईपास स्टेशन पर रुकेगी

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे द्वारा हावड़ा-बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस के ठहराव में बदलाव की घोषणा की गई है। 28 अगस्त 2025 से चलने वाली 22307 हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस और 27 अगस्त से चलने वाली 22308 बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस अब मेड़ता रोड स्टेशन की बजाय मेड़ता रोड बाईपास स्टेशन पर रुकेंगी। यह कदम यात्रियों की सुविधा और बेहतर संचालन को ध्यान में रखकर लिया गया है। इस नई व्यवस्था के अनुसार, 22307 हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस सुबह 03:10 बजे मेड़ता रोड बाईपास स्टेशन पहुंचेगी, जबकि 22308 बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस रात 00:58 बजे स्टेशन पर ठहरेगी। दोनों ही ट्रेनें इस स्टेशन पर लगभग पांच मिनट तक रुकेंगी, जिससे यात्रियों को चढ़ाई और उतराई में सुविधा होगी। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस रूट में अन्य स्टेशनों पर ट्रेनों के समय में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

सीआईएससीई रीजनल योगा टूर्नामेंट में चमकी आमता आइडियल पब्लिक स्कूल की छात्रा अस्मिता पल्ले

हावड़ा : आमता आइडियल पब्लिक स्कूल की छात्रा अस्मिता पल्ले ने सीआईएससीई रीजनल योगा टूर्नामेंट में जोनल-सी श्रेणी में दूसरा रनर्स-अप स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़कियों की प्रतियोगिता में अस्मिता ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको पीछे छोड़ दिया। बचपन से ही योगाभ्यास में जुटी अस्मिता को विद्यालय के शिक्षकों का निरंतर सहयोग मिला है।इस बार अग्रासाइन बालिका शिक्षा सदन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में अस्मिता ने उत्कृष्ट योग प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल की और अपने विद्यालय के ताज में एक और कीमती पंख जोड़ दिया।

कैनिंग का कुख्यात बुलेट हथियार सहित गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : विजिटिंग कार्ड छपवाकर 'हत्या' की सुपारी लेने का विज्ञापन देने वाले कुख्यात बदमाश मोहम्मद सलीम मोल्ला उर्फबुलेट को इस बार हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। घटना दक्षिण 24 परगना के कैनिंग के गोलाबाड़ी इलाके में हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह कुख्यात बुलेट जमानत पर बाहर था। उसका घर कैनिंग के आमतला इलाके में है। मंगलवार को गोलाबाड़ी इलाके में घूमते देख पुलिस को सूचना मिली। गोलाबाड़ी थाने की पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ शुरू कर दी। तलाशी के दौरान कुख्यात के पास से एक बंदूक और कारतूस बरामद हुए। इसके बाद, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वह उस इलाके में किस कुकर्म के लिए घूम रहा था? उसके पास हथियार कहां से आए? पुलिस उससे पूछताछ कर पता लगाने की कोशिश कर रही है। उल्लेखनीय है कि करीब तीन साल पहले भी मोहम्मद सलीम मोल्ला उर्फ बुलेट ने सुर्खियां बटोरी थीं। दक्षिण 24 परगना में कई जगहों पर एक विज्ञापन छपा था। उसने सुपारी लेने के लिए अपने नाम से एक विज़िटिंग कार्ड छपवाया था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच की और बुलेट को गिरफ्तार कर लिया। बाद में, उसे ज़मानत पर रिहा कर दिया गया।

बकाया बिल साढ़े 3.5 लाख - बीजेपी विधायक के घर का बिजली कनेक्शन डिस्कनेक्ट, राजनीति गर्म

कोलकाता : उत्तर 24 परगना के बनगाँव में बिजली विभाग ने तृणमूल-विरोधी आरोपों के बीच भाजपा विधायक स्वप्न मजूमदार के घर का बिजली कनेक्शन काट दिया है। विभाग का कहना है कि संबंधित मीटर पर लगभग साढ़े तीन लाख रुपये का बकाया था, जो समय पर भुगतान नहीं किया गया। कनेक्शन काटे जाने की खबर मिलते ही इलाके में हलचल और राजनीतिक विवाद पैदा हो गया।

सूत्रों के अनुसार, विधायक के परिवार के एक सदस्य जयदेव मजूमदार के नाम पर रखे मीटर का बिल भारी जमा था। भुगतान न होने पर मंगलवार देर रात विभाग ने उस मीटर का कनेक्शन अनुगामी कार्रवाई के तहत काट दिया। बिजली कटने के बाद स्थानीय लोगों और राजनीतिक समूहों के बीच नारेबाज़ी और आरोप-प्रत्यारोप तेज़ हो गए।

तृणमूल कांग्रेस ने विधायक पर बिजली चोरी का आरोप लगाया है और कहा है कि नियमों के विरुद्ध बकाया राशि जमा नहीं की गई। दूसरी तरफ स्वप्न मजूमदार ने इन आरोपों को आधारहीन बताते हुए कहा कि उनके घर के कई मीटरों में तकनीकी गड़बड़ी और बिलों में अनियमितता चल रही थी। विधायक ने आरोप लगाया कि संबंधित मीटर पर विभाग की ओर से गैर-नियमित बिल भेजे जा रहे थे और शिकायत के बावजूद समाधान नहीं मिला, इसलिए विभाग ने कनेक्शन काटा।

विधायक ने राज्य सरकार और बिजली विभाग पर भी निशाना साधा और कहा कि लोकहित के बजाए विभाग कथित रूप से अन्यायपूर्ण तरीके से बिल वसूली कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले की जांच करायी जानी चाहिए और जिन लोगों ने उनके मान-अपमान या बदनामी का प्रयास किया है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने सार्वजनिक रूप से कड़ी भाषा में आरोप-प्रत्यारोप शुरू कर दिए हैं, जिससे स्थानीय राजनीति गर्माती दिख रही है। बिजली विभाग ने फिलहाल मामले पर औपचारिक टिप्पणी से परहेज़ करते हुए कहा है कि यह एक प्रशासनिक कार्रवाई थी और भुगतान के बाद कनेक्शन बहाल किया जा सकता है।

नवान्न आंदोलन में घायल तिलोत्तमा की मां के मामले पर सोमवार को अगली सुनवाई

कोलकाता : नवान्न आंदोलन के दिन तिलोत्तमा की मां ने आरोप लगाया था कि उन्हें पुलिस ने मारा-पीटा। इस आरोप पर मामला दायर हुआ था और मंगलवार को न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की एकल पीठ में इसकी सुनवाई हुई। अदालत ने उस निजी अस्पताल की रिपोर्ट तलब की है, जहां तिलोत्तमा की मां भर्ती थीं। कोर्ट के निर्देश पर न्यू मार्केट और शेक्सपियर सरणी थाने की ओर से रिपोर्ट पेश की गई। उसे देखकर न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि परिवार की शिकायत के आधार पर 'ज़ीरो एफआईआर' या अन्य कदम उठाने की आवश्यकता पुलिस नहीं समझ रही। हालांकि, राज्य सरकार की तरफ से पेश की गई रिपोर्ट को अधूरा माना गया। अदालत ने कहा कि पूरी रिपोर्ट पेश होनी चाहिए। अब अगली सुनवाई सोमवार को होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि तिलोत्तमा की मां के शरीर पर चोट के निशान थे-उनके माथे और पीठ पर चोटें दर्ज थीं। इसी आधार पर अदालत ने राज्य से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। दरअसल, आंदोलन के दौरान तिलोत्तमा की मां के सिर पर चोट आई थी, जिसको लेकर काफी विवाद खड़ा हुआ। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह घर लौट आईं, लेकिन उनकी मेडिकल रिपोर्ट को लेकर गंभीर सवाल उठे। तिलोत्तमा के पिता ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन ने डिस्चार्ज रिपोर्ट में चोटों का उल्लेख नहीं किया। बाद में वकील और परिजनों के विरोध के बाद मेडिकल रिपोर्ट में बदलाव किया गया और शिकायत को शामिल किया गया। इस मामले में अब सोमवार को अगली सुनवाई होगी, जिसमें अदालत राज्य सरकार और अस्पताल की विस्तृत रिपोर्ट की समीक्षा करेगी।

लेकटाउन हनुमान मंदिर में चोरी, सोने-चांदी के आभूषण, मुकुट भी ले उड़े चोर

पूरी घटना सीसीटीवी में हुई कैद, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा

लेकटाउन स्थित हनुमान मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। पता चला है कि चोर सोना-चांदी के आभूषण लेकर भाग गए। इतना ही नहीं, चोर भगवान के सिर का मुकुट भी ले गए। मिली जानकारी के अनुसार, गत मंगलवार की रात लेकटाउन के हनुमान मंदिर में एक दुस्साहसिक चोरी हुई। सीसीटीवी कैमरे में चार चोरों का एक समूह दिखाई दिया। मंदिर के अंदर चोरी की तस्वीर भी सीसीटीवी में कैद हो गई। बदमाश काफी देर तक मंदिर के अंदर थे। चार चोरों का समूह सोने, चांदी के आभूषण, मुकुट और सभी दान पात्र लेकर भाग गया।

बुधवार की सुबह लेकटाउन थाने को सूचित किया गया। चोरी हुई धनराशि का सही आकलन अभी तक नहीं किया गया है। हालांकि, अनुमान है कि चोरी की गई वस्तुओं की कीमत कई लाख रुपये के आभूषण होने का अनुमान है। मंदिर के अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी फुटेज पहले ही पुलिस को सौंप दी गई है। पुलिस और जासूसी विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाराष्ट्र निवास में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कीं और राज्य एवं देश की जनता के कल्याण की कामना कीं।

पर्युषण पर्व का आठवां दिन भगवती संवत्सरी महापर्व के रूप में मनाया गया

❑ **विश्व मैत्री का महान पर्व है - संवत्सरी - मुनि जिनेश कुमार**

कोलकाता : युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी ठाणा - 3 के सान्निध्य में पर्युषण पर्व का आठवां दिन भगवती संवत्सरी महापर्व के रूप में भिक्षु विहार में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी (कोलकत्ता-पूर्वांचल) ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया। भगवती संवत्सरी महापर्व पर बृहत्तर कोलकाता के हजारों - हजारों श्रावक - श्राविकाओं ने प्रवचन कार्यक्रम व प्रतिक्रमण में हिस्सा लिया।

प्रवचन कार्यक्रम प्रातः 7 :00 बजे से लगभग सायं 5 :30 बजे तक चला। सामूहिक प्रतिक्रमण क्र 84 लाख जिवयोनि से खमतखामणा किया गया।

मुख्य प्रवचन कार्यक्रम में विशाल जनमेदिनी को संबोधित करते हुए मुनि श्री जिनेश कुमार जी ने कहा - जैन धर्म का सिरमोर पर्व पर्युषण है। यह पर्व आत्मनिरीक्षण, आत्मसुधार , आत्मविकास , आत्मनिर्माण का पर्व है। पर्युषण पर्व अपने आपको बदलने का पर्व है। कृष्ण से शुक्ल की यात्रा का पर्व है। ये विश्वमैत्री का पर्व है। दिल से दिल जोड़ने का पर्व है। श्रद्धा लेने व देने का पर्व है। जैसे तपों से ब्रम्भचर्य, मणि में वैदूर्य मणि , रत्नों में चिंतामणि रत्न , ध्यान में शुक्ल ध्यान, वनों में नंदनवन, पर्वतों में मेरुपर्वत श्रेष्ठ है। उसी प्रकार पर्वों में श्रेष्ठ पर्व पर्युषण है। पर्युषण पर्व का प्राण व शिखर दिन है - संवत्सरी महापर्व। संवत्सरी यानी वर्ष का श्रेष्ठ दिन। संवत्सरी जिनशासन की दीपावली है। संवत्सरी

जैन समाज के लिए महास्नान का पर्व है। यह महाकुंभ स्नान है। यह अंतःकरण की व्याधियों और मनोकायिक बिमारियों की शुद्धि के लिए चिकित्सा पर्व है। संवत्सरी क्षमा के आदान - प्रदान का पर्व है। संवत्सरी उपवास, प्रतिक्रमण, प्रवचन श्रवण, खमतखामणा, स्वाध्याय , तप , मौन अदि आध्यात्मिक उपक्रमों से मनाई जाती है।

इस अवसर पर मुनि परमानंद ने कहा - जीवन की नई शुरुआत है - संवत्सरी। मन्भेदों को भुलाने का पर्व है - संवत्सरी। आत्मशुद्धि का पर्व है संवत्सरी। पौषध आराधना का पर्व है - संवत्सरी। भगवती संवत्सरी महापर्व सबका कल्याण करने वाली है। मुनि कुणाल कुमार जी ने सुमधुर संवत्सरी गीत का संगान किया।

प्रवचन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में तेरापंथी सभा, पूर्वांचल; तेरापंथ महिला मंडल, पूर्वांचल; तेरापंथ युवक परिषद; तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम आदि के कार्यकर्ताओं का महत्व-पूर्ण योगदान रहा।

बागुईआटी में तालाब से फल कारोबारी का तैरता शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

कोलकाता, समाज्ञा : बागुईआटी में एक तालाब से बुधवार को एक व्यवसायी का तैरता शव बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को पहले ही बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लेकिन, उसकी मौत कैसे हुई? हत्या या आत्महत्या? पुलिस ने पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान विश्वजीत साहा के रूप में की गई है। वह पेशे से फल विक्रेता है। वीआईपी के रघुनाथपुर में उनकी एक फल की दुकान है। बताया गया है कि गत सोमवार को वह आखिरी बार दुकान पर गया था। विश्वजीत मंगलवार को दुकान पर नहीं गया था। उस दिन, केवल कर्मचारी ही थे। वह घर भी नहीं लौटा। नतीजतन, परिवार के सदस्य चिंतित थे। कई जगहों पर खोजने के बावजूद कोई फायदा नहीं हुआ। फिर, बुधवार की सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान से सात सौ मीटर दूर एक तालाब में एक शव तैरता देखा। पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। उसके बाद, पुलिस ने जाकर शव बरामद किया। पता चला कि शव फल व्यापारी विश्वजीत का था। उसके बाद, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक के पैर की उंगलियों पर गहरे घाव थे। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसकी मौत कैसे हुई, क्या यह हत्या थी या वह खुद तालाब में गिर गया। जांचकर्ताओं का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चलेगा। पुलिस ने कहा कि वे जांच के लिए मृतक के परिवार और कर्मचारियों से बात करेंगे।

पूर्व रेलवे चलाएगा दो और पूजा स्पेशल ट्रेनें, 23,700 से अधिक अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे द्वारा दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दो अतिरिक्त पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इन ट्रेनों के संचालन से लगभग 23,700 से अधिक अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगे। इसके तहत, 04153 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता पूजा स्पेशल 18 सितंबर से 13 नवंबर 2025 तक हर गुरुवार को दोपहर 1 बजे कानपुर से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 7:50 बजे कोलकाता पहुंचेगी। इसी प्रकार 04154 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल पूजा स्पेशल 19 सितंबर से 14 नवंबर 2025 तक हर शुक्रवार सुबह 10:45 बजे कोलकाता से चलेगी और अगले दिन सुबह 4:30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन पूर्व रेलवे क्षेत्र के 14 स्टेशनों पर रुकेगी जिनमें वर्दवान, दुर्गापुर और आसनसोल शामिल हैं। इसमें सामान्य द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और वातानुकूलित कोच होंगे। वहीं, दूसरी ओर 03430 मालदह टाउन-चारलापल्ली पूजा स्पेशल 30 सितंबर से 11 नवंबर 2025 तक हर मंगलवार शाम 5:15 बजे मालदह टाउन से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 4 बजे चारलापल्ली पहुंचेगी। वापसी में 03429 चारलापल्ली-मालदह टाउन पूजा स्पेशल 2 अक्टूबर से 13 नवंबर 2025 तक हर गुरुवार शाम 4:50 बजे चलेगी और तीसरे दिन सुबह 5 बजे मालदह टाउन पहुंचेगी। यह ट्रेन पूर्व रेलवे क्षेत्र के अंतर्गत 28 स्टेशनों पर रुकेगी, जिनमें न्यू फरक्का, रामपुरहाट, बोल-पुर (शांतिनिकेतन), वर्दवान और डानकुनी शामिल हैं।

बंगाल में पिछले साल पर्यटन में 5,710 करोड़ रुपये का निजी निवेश : अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल के पर्यटन क्षेत्र ने पिछले साल 5,710 करोड़ रुपये का निजी निवेश आकर्षित किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन) नंदिनी चक्रवर्ती ने बुधवार को एमसीसीआई पर्यटन सम्मेलन में कहा कि पिछले साल राज्य में 42 नए लक्जरी होटल खुले, जबकि 5,322 चालू इकाइयों और 3,755 और निर्माणाधीन होमस्टे पंजीकरण के साथ बंगाल पहले स्थान पर रहा। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में पिछले साल लगभग 5,710 करोड़ रुपये का निजी निवेश आया है। इसी अवधि में, राज्य में 42 नए लक्जरी होटल खुले हैं। एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि दीघा स्थित जगन्नाथ धाम में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है और धार्मिक पर्यटन एक प्रमुख आकर्षण बन रहा है। त्योहारों पर पर्यटन भी बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, पिछले साल राज्य में 730 एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन, प्रदर्शनियां) कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्य के पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिसमें नदी पर्यटन, प्रवास और सांस्कृतिक अनुभवों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नदी पर्यटन प्राथमिकता होगी और विभाग इस दिशा में तालमेल बिठाने के लिए कोलकाता बंदरगाह के साथ मिलकर काम करेगा।

द ललित ग्रेट ईस्टर्न में आयोजित एमसीसीआई टूरिज्म कॉन्क्लेव 2025 के दौरान राज्य के पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए एमसीसीआई अध्यक्ष अमित सराओगी और काउंसिल ऑन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म (एमसीसीआई) के अध्यक्ष नरेश कुमार अग्रवाल।

न्यूज अपडेट

सेनको गोल्ड लिमिटेड की 31वीं वार्षिक आम बैठक बुधवार को कलामंदिर में आयोजित की गई। इस मौके पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी और निदेशक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। जिसमें भास्कर सेन (स्वतंत्र निदेशक), कुमार शंकर दत्त (स्वतंत्र निदेशक), रंजना सेन (पूर्णकालिक निदेशक एवं अध्यक्ष), सुवांकर सेन (एमडी एवं सीईओ), जोइता सेन (निदेशक एवं प्रमुख, मार्केटिंग एवं डिजाइन), एस। बांका (सीएफओ) और मुकुंद चंदक (कंपनी सचिव) शामिल रहे।

हावड़ा डिवीजन ने स्वच्छता अभियान में हाइड्रेंट पाइप का किया निरीक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 27 अगस्त को हाइड्रेंट पाइप की विशेष निरीक्षण कार्रवाई की। इस निरीक्षण में डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों, विशेष रूप से रामपुरहाट और बंदेल, पर हाइड्रेंट पाइप की उप-लब्धता, सही तरीके से स्टैकिंग और संचालन के लिए तत्परता की जांच की गई। रेलवे कोचों और प्लेटफार्मों की सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने में हाइड्रेंट पाइप महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनकी सही स्टैकिंग और नियमित रख-रखाव न केवल दिन-प्रतिदिन रेलवे संचालन को कुशल बनाता है, बल्कि सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को भी बढ़ाता है। निरीक्षण अभियान ने डिवीजन की प्रणालीगत रख-रखाव प्रक्रियाओं के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया, जिससे यात्री सुविधा और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होता है। इस अभियान के दौरान स्टेशन परिसर और आस-पास के क्षेत्रों से कचरा, अनावश्यक झाड़ियों और उग आई घास को हटाया गया। इन उपायों से रेलवे के परिवेश की स्वच्छता में वृद्धि हुई और यात्रियों के लिए साफ-सुथरा और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हुआ।

लिंडसे यूथ वेलफेयर एसोसिएशन ने किया गणेश उत्सव का आयोजन

कोलकाता : महानगर के पार्क स्ट्रीट स्थित एलेन पार्क में लिंडसे यूथ वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से गणेश पूजा का आयोजन किया गया। वार्ड 63 की पार्षद, बोरो सात की चेयरपर्सन व एसोसिएशन की अध्यक्ष सुष्मिता भट्टाचार्य की ओर से आयोजित इस पूजा पंडाल का उद्घाटन सांसद सुब्रत बक्शी ने किया। इस अवसर पर निगम के एमएमआईसी संदीपन साहा, एमएमआईसी प्रदीप रंजन बक्शी, 62 वार्ड की पार्षद व बोरो छह की चेयरपर्सन सना अहमद, वार्ड 46 के पूर्व पार्षद गोपाल गांधी, पूर्व विधायक मुजफ्फर खान, तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जय प्रकाश मजुमदार, पूर्व विधायक मुजफ्फर खान, पैटॉन ग्रुप के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया, वन विभाग की अधिकारी मरिया फर्नांडिस, एंजलिना मंतोष जसनानी, माइनोरिटी सेल के फरीद खान, मोहम्मद एहतेशाम, सिद्धांत ग्रुप के सिद्धांत जोशी, प्रेम्स कलेक्शन के प्रेम बमबानी, मिठरी मिट्टी के संजय जय सिंह, स्माइल-ओ-डोंटिक्स के रवि गुप्ता, पश्चिम बंगाल महिला आयोग की सचिव सुभद्रा मुखर्जी, शेक्सपीयर थाना के ओसी ऑयन भौमिक, तृणमूल कांग्रेस महिला सेल की कविता रहमान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। गौरतलब है कि यहां पूजा के आयोजन के साथ-साथ जरूरतमंदों के बीच वस्त्र वितरण भी किया गया।

भूतपूर्व पार्षद कमलापति सिंह की 17वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि और बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरण

हुगली : भूतपूर्व पार्षद कमलापति सिंह की 17वीं पुण्यतिथि पर उनके पुत्र सत्यम सिंह और अश्विन सिंह ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व विपक्षी दल के नेता अब्दुल मन्नान भी उपस्थित रहे। पुण्यतिथि के अवसर पर घोड़ामारा स्थित एक अनाथालय में बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इस मौके पर दोनों पुत्रों ने अपने पिता के जनसेवा कार्यों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाजसेवा और शिक्षा के प्रति कमलापति सिंह की प्रतिबद्धता को याद किया गया।

देवर की नाबालिग बेटी की तस्करी और दुष्कर्म, अदालत ने तीन दोषियों को सुनाई सजा

बांकुड़ा : पारिवारिक दुश्मनी के कारण देवर की नाबालिग बेटी की तस्करी और दुष्कर्म में मदद करने के मामले में बुधवार को नाबालिग की बड़ी मां पारुल मल्ला मेटे, उसके प्रेमी असगर अली दलाल और जयदेव मंडल को बिष्णुपुर उपजिला न्यायालय ने दोषी पाया और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनुरुद्ध माइती ने सजा सुनाई। अदालत ने पारुल को 7 साल के कठोर कारावास और 60 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। असगर अली दलाल को पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 साल के कठोर कारावास और 85 हजार रुपये के जुर्माने और जयदेव मंडल को 20 साल के कठोर कारावास और 55 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिछले साल 23 अप्रैल को 13 वर्षीय नाबालिग को उसके माता-पिता ने पढ़ाई न करने के लिए डांटा था। पारिवारिक दुश्मनी के चलते, मौके का फायदा उठाकर पारुल ने नाबालिग लड़की की तस्करी की योजना बनाई। वह नाबालिग लड़की को बहाने से तारकेश्वर ले गयी। वहां उसने नाबालिग लड़की को अपने प्रेमी असगर के हवाले कर दिया। तारकेश्वर से असगर नाबालिग लड़की को ट्रेन से हावड़ा ले गया। वहां उसने एक घर में नाबालिग से दुष्कर्म किया। अगले दिन, असगर ने नाबालिग लड़की को दक्षिण 24 परगना के विष्णुपुर निवासी जयदेव मंडल को सौंप दिया। उसके बाद, पारुल, असगर और जयदेव छिप गए। जयदेव नाबालिग लड़की को बांग्लादेश सीमा के पास लेकर भाग गया। उसके बाद, जयपुर थाने की पुलिस ने पिछले साल 25 जुलाई को जयपुर से पारुल को गिरफ्तार किया। तीन दिन बाद, जयदेव को बांग्लादेश सीमा से गिरफ्तार किया गया। एक दिन बाद, असगर को हावड़ा के आनंदपुर से गिरफ्तार किया गया। एक साल तक चली मुक़दमेबाज़ी के बाद बुधवार को अदालत ने तीनों को दोषी पाया और सजा सुनाई।

कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बंगाल की बेटी कोयल बार ने रचा इतिहास

हावड़ा : अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पश्चिम बंगाल की 17 वर्षीय कोयल बार ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 53 किलोग्राम वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीते। संकराइल के धुलागढ़ के बनजी पाड़ा की इस बेटी ने प्रतियोगिता में 192 किलोग्राम भार उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया। स्नैच में 85 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 107 किलोग्राम भार उठाकर उन्होंने युवा और जूनियर दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

कोयल के पिता मिथुन बार चिकन की दुकान चलाते हैं। वे कभी खुद भी वेटलिफ्टिंग से जुड़े रहे, लेकिन सफलता हासिल नहीं कर पाए। खेल के प्रति उनके प्रेम ने ही बच्चों को इस खेल में आगे बढ़ने की राह दिखाई। 2018 में कोच अष्टम दास की देखरेख में पांचला के देउलपुर से कोयल ने प्रशिक्षण शुरू किया। उन्होंने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते। फरवरी 2023 में उनका चयन पटियाला राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ, जहां वे पढ़ाई के साथ-साथ कठोर अभ्यास कर रही हैं। वर्तमान में वह दसवीं कक्षा की छात्रा हैं। पड़ोसियों ने कोयल को 'गोल्डन गर्ल' का नाम देते हुए देश के लिए पदक जीतने की उम्मीद जताई। वहीं, राज्य के खाद्य प्रसंस्करण मंत्री अरूप रॉय ने उनके स्वागत की घोषणा की है। अब पूरा परिवार और गांव अपनी चैंपियन बेटी की घर वापसी का इंतजार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दी बधाई

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हावड़ा निवासी वेटलिफ्टर कोयल बर को कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप में मिली ऐतिहासिक सफलता पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को ट्वीट कर लिखा कि हमारी बंगाल की बेटी, हावड़ा निवासी कोयल बर ने अहमदाबाद में आयोजित वेटलिफ्टिंग कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप में विश्व रिकॉर्ड की हैट्रिक करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर बंगाल को गौरवान्वित किया है। मैं उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और स्नेह प्रेषित करती हूं। उनके अभिभावक और कोच को भी बधाई देती हूं। उन्होंने आगे कहा कि कोयल आने वाले समय में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगी तथा ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर बंगाल का मान और ऊंचा करेंगी। ममता बनर्जी ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनकी हर जरूरत में उनके साथ खड़ी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर बंगाल में 29 अगस्त तक भारी बारिश की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के उत्तरी हिस्से में अगले दो दिन में भारी बारिश की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में बने कम दबाव के क्षेत्र का राज्य पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसमें कहा गया कि उप-हिमालयी (उत्तर बंगाल) जिलों दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में 29 अगस्त तक भारी बारिश होने की आशंका है। आईएमडी ने कहा कि राज्य के गंगा तटीय क्षेत्रों के कई स्थानों पर 30 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश होने की आशंका है तथा एक या दो स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने का भी अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि कोलकाता में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

मालदह में रेलवे लाइन से नवजात का शव मिलने से फैली सनसनी

मालदह : रेलवे लाइन के किनारे एक लाल कपड़ा में कुछ लिपटा हुआ शिशु का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह रेलवे लाइन के किनारे एक लाल कपड़ा में कुछ लिपटा हुआ पड़ा देख स्थानीय लोगों को शक हुआ। वे आगे बढ़े तो देखा कपड़े के चारों ओर मक्खियां भिनभिना रही है। कपड़ा हटाया गया तो एक नवजात शिशु का शव पाया गया। उक्त इलाके में न केवल मेडिकल कॉलेज, बल्कि उस इलाके में कई नर्सिंग होम भी है। नवजात शिशु के शव की बरामदगी को लेकर तरह-तरह के सवाल उठने लगे है। इधर, सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

साल्टलेक में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से लूटपाट, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : साल्टलेक में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला से लूटपाट करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम सुरजीत बिस्वास है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह, बीजी ब्लॉक निवासी एक महिला मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। करीब 6 बजे मॉर्निंग वॉक खत्म करने के बाद वह घर लौट रही थी, तभी, कथित तौर पर, साल्टलेक में सड़क पर पीछे से एक बदमाश आया और महिला का हार छीनकर भाग गया। विधाननगर पूर्व थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मिड-डे मील में सड़ा मांस! कई छात्र बीमार, अभिभावकों का हंगामा

आसनसोल : बर्दवान जिले के बेलडांगा आदिवासी प्राथमिक विद्यालय में बुधवार सुबह मिड-डे मील में सड़ा मांस पकाने का आरोप सामने आया। भोजन से उठी तेज दुर्गंध के कारण कई छात्र-छात्राओं के बीमार पड़ने की खबर है। घटना के बाद स्कूल परिसर में हंगामा मच गया और अभिभावकों ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। आरोप सीधे स्कूल के प्रधानाचार्य रामप्रसाद मोहरी पर लगाया गया है। अभिभावकों का कहना है कि प्रधानाचार्य ने खुद मंगलवार रात मांस खरीदकर स्कूल में रखा था, जो खराब हो गया। बुधवार सुबह स्कूल खुलने से पहले उन्होंने स्वयं ही मांस पकाना शुरू किया। खाना बनते समय इतनी तेज बदबू फैल गई कि कई छात्र-छात्राएं चक्कर खाकर गिर पड़े और उल्टियाँ करने लगे। यहां तक कि खाना पकाने वाली महिलाएँ भी बीमार हो गईं। वहीं, प्रधानाचार्य रामप्रसाद मोहरी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि गंध से कोई बीमार नहीं होता, यह एक साजिश है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्रधानाचार्य को तलब किया है। साथ ही, जामुरिया थाना पुलिस के अधिकारी भी तुरंत स्कूल पहुँचे और स्थिति का जायज़ा लिया। अभिभावकों की मांग है कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि बच्चों की सेहत के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ न हो।

न्यूटाउन में नाबालिग के दुष्कर्म एवं हत्या के दोषी टोटो चालक को आजीवन कारावास

बारासात अदालत ने 6 महीने के भीतर मुकदमा पूरा कर सजा की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन में नाबालिग के दुष्कर्म एवं हत्या के दोषी टोटो चालक सौमित्र रॉय उर्फ राज को बुधवार को बारासात की विशेष पॉक्सो अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बता दें कि गत सोमवार को अदालत ने सौमित्र रॉय को दोषी ठहराया था। फैसला सुनने के बाद, नाबालिग लड़की के परिवार को राहत मिली है। बताया गया है कि मामले की शुरुआत के 6 महीने के भीतर मुकदमा पूरा हो गया और सजा का ऐलान कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस साल फरवरी में, गौरांगनगर निवासी लापता आठवीं कक्षा की छात्रा का शव न्यूटाउन में लोहापुल नहर से सटे जंगल में मिला था। दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया गया था। इस घटना ने भारी हंगामा मचाया। विधाननगर पुलिस कमिश्नरेट ने तुरंत घटना की जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के सबूत भी मिले। जांचकर्ताओं ने न्यूटाउन, बागुईआटी सहित विभिन्न क्षेत्रों से सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की। उसके बाद, पुलिस ने विभिन्न स्रोतों और सीसीटीवी फुटेज को देखने के बाद टोटो चालक सौमित्र रॉय को ढूंढ लिया। गिरफ्तारी और पूछताछ शुरू हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया। गिरफ्तार सौमित्र उर्फ राज नदिया के राणाघाट का निवासी है। वह न्यूटाउन के आदर्शपल्ली इलाके में किराए के मकान में रहता था।

न्यूटाउन सिटी स्कायर ब्रिज के नीचे लगे सीसीटीवी फुटेज में आरोपी चालक नाबालिग लड़की को ले जाता हुआ दिखाई दे रहा था। उस फुटेज को देखने के बाद आरोपी की पहचान करने के बाद, सौमित्र को सबसे पहले न्यूटाउन पुलिस कैंप थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ के दौरान विसंगतियां पाई गईं। उचित जवाब नहीं मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बारासात अदालत में मामला शुरू किया गया था। अभूतपूर्व 15 दिनों में, न्यूटाउन पुलिस स्टेशन पुलिस ने आरोपी टोटो चालक राज के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इसी मामले में अदालत ने सौमित्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

ग्राहक को गलत खाना परोसने पर होटल मालिक ने कर्मचारी पर फेंका गर्म तेल

- आरोपी मालिक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कर्मचारी द्वारा एक ग्राहक को गलत खाना परोसने के अपराध में होटल मालिक ने उस पर गर्म तेल डाल दिया। यह सनसनीखेज घटना बिधाननगर के साल्टलेक इलाके में हुई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी होटल मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम नरेश कुमार रॉय है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, साल्टलेक के इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाना क्षेत्र में उक्त होटल स्थित है। खाने के शौकीन ग्राहक भी खाना खाने के लिए दुकान पर आते हैं। बिहार के धनजारा इलाके का रहने वाला सिकंदर कुमार रॉय नाम का युवक उस होटल में काम करता है। होटल के मालिक का नाम नरेश कुमार रॉय है। घटना सोमवार की रात की है। पता चला है कि एक व्यक्ति ने होटल में खाना ऑर्डर किया था। खाना परोसते समय देखा गया कि ग्राहक को गलत खाना परोसा गया था। इस घटना को लेकर अस्थायी तनाव हो गया था। कथित तौर पर, यह घटना रात करीब 8:30 बजे हुई। इसके बाद, दुकान मालिक नरेश कुमार रॉय ने कथित तौर पर कर्मचारी सिकंदर कुमार रॉय पर गर्म खाना पकाने का तेल उड़ेल दिया। बताया जा रहा है कि गर्म तेल उसके शरीर पर लग गया और वह कई जगहों पर जल गया। कर्मचारी को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। मंगलवार को, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी होटल मालिक को गिरफ्तार कर लिया।

बागुईआटी में पति की नृशंस हत्या कर फरार हुई पत्नी, तलाश में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : बिधाननगर इलाके में बुधवार को एक भयावह वारदात हुई है। आरोप है कि पत्नी ने अपने पति की बेरहमी से धारदार हथियार से हत्या कर दी और घटना के बाद से वह फरार है। मृतक की पहचान भोला हलदार के रूप में हुई है, जबकि आरोपित पत्नी का नाम उपासना हलदार बताया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना बागुईआटी के जगतपुर चरकतलापाड़ा इलाके की है। बताया जाता है कि भोला हलदार अपनी पत्नी उपासना के साथ इस इलाके में किराए के मकान में रहते थे। मृतक कोलकाता हवाई अड्डे पर कार्यरत था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस दिन, दोपहर में पड़ोसियों ने उनके घर से धुआं और जलने की गंध महसूस की। जब लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि उपासना हलदार कुछ कागज़ात जला रही थीं। संदेह होने पर पड़ोसियों ने जबरन घर में प्रवेश किया और मकान मालिक को सूचना दी। घर में पहुंचने पर मकान मालिक ने बाथरूम से भोला हलदार का रक्तरंजित शव बरामद किया। इधर, सूचना मिलते ही बागुईआटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से बने कई घाव के निशान मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को कारण माना जा रहा है, हालांकि विवाहेतर संबंध की दिशा में भी जांच की जा रही है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपित उपासना हलदार की तलाश तेज कर दी है और आसपास के इलाकों में छापेमारी जारी है।

हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बदला, मौत की सजा पाए दोषी को किया बरी

- खानाकुल में तंत्र साधना के लिए हत्या मामले में एक दोषी को फांसी व दूसरे को मिली थी आजीवन कारावास

कोलकाता, समाज्ञा : हुगली के खानाकुल में तंत्र साधना के लिए हत्या की शिकार हुई एक बच्ची के मामले में एक बड़ा मोड़ आया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए दो आरोपियों को बरी कर दिया। उल्लेखनीय है कि 2 फरवरी, 2018 को राधाबल्लभपुर इलाके में एक चार साल की बच्ची का शव पास के एक घर के सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ था। आरोप लगाया कि तांत्रिक मुरारी पंडित ने बच्ची से दुष्कर्म किया, उसकी हत्या की और शव को फेंक दिया। इस कृत्य में उसकी पत्नी सागरिका पंडित ने भी उसकी मदद की। यह भी आरोप लगाया गया कि बच्ची, उसकी पोती होने के बावजूद, उसकी नानी सुशीला माझी ने तांत्रिक को सौंप दी थी। खानाकुल पुलिस ने जांच के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, मुकदमे के दौरान मुरारी पंडित की मृत्यु हो गई। आरामबाग उपखंड की अतिरिक्त सत्र पॉक्सो अदालत ने बाद में फैसला सुनाया कि सागरिका को फांसी और बच्ची की नानी को आजीवन कारावास की सजा दी जाए। लेकिन, दोनों दोषियों ने उस आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपील की। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक की खंडपीठ में मामले की सुनवाई के दौरान, सागरिका के वकील नीलाद्रि शेखर घोष ने दलील दी कि पूरे मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी या गवाह नहीं था। निचली अदालत ने केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर सजा सुनाई थी। हालांकि, राज्य ने दावा किया कि वह फैसला सही था। सभी पक्षों की दलीलों के बाद, उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में साक्ष्यों में विसंगतियां थीं। इसलिए, 'संदेह के लाभ' के आधार पर, दोनों अभियुक्तों सागरिका पंडित और सुशीला माझी को बरी करने का आदेश दिया गया। परिणामस्वरूप, मृत्युदंड और आजीवन कारावास दोनों को रद्द कर दिया गया।

नाबालिग भतीजी का अपहरण कर दुष्कर्म के दोषी फूफा को 20 साल कैद की सजा

कोलकाता, समाज्ञा : नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के दोषी को पोक्सो कोर्ट ने 20 साल कैद की सजा सुनाई। साथ ही, 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदा न करने पर 6 महीने अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई। बता दें कि दोषी पीड़िता का रिश्ते में फूफा लगता है। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल, 2024 को कृष्णानगर में स्कूल जाते समय नाबालिग का अपहरण कर लिया गया था। वह कृष्णानगर के सेगुनबागान पाड़ा की निवासी है। फिर, उसे प्लेन से कोलकाता से बेंगलुरु ले जाया गया। कथित तौर पर, वहां उसके फूफा ने उसे 6 दिनों तक किराए के एक मकान में रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद, आरोपी फूफा पीड़िता को उसके बुआ के घर छोड़कर चला गया। इधर, नाबालिग ने घर लौटने के बाद अपने परिवार को पूरी घटना के बारे में बताया। कृष्णानगर के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के बाद पुलिस ने पीड़िता के फूफा नीलाद्रि बिस्वास को गिरफ्तार कर लिया। पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कृष्णानगर की पोक्सो कोर्ट ने बुधवार को उस मामले में फैसला सुनाया। सरकारी वकील ने कहा कि पोक्सो मामले में, आरोपी को पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 साल जेल की सजा सुनाई गई है और 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। डिफॉल्ट रूप से, उसे 6 महीने जेल में बिताने होंगे। लड़की का अपहरण करने के लिए उसे 5 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उस पर 5,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। डिफॉल्ट रूप से, उसे 6 महीने जेल में बिताने होंगे। लड़की को बेंगलुरु में रखने के लिए उसे 5 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उस पर 5,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। डिफॉल्ट रूप से, उसे 6 महीने जेल में बिताने होंगे।

न्यूज अपडेट

गणेश चतुर्थी पर भूमंत्र विवाह डॉट कॉम का शुभारंभ

रांची/कोलकाता : भूमंत्र फाउंडेशन की बहुप्रतीक्षित परियोजना भूमंत्र विवाह डॉट कॉम बुधवार को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर भूमिहार ब्राह्मण समाज को समर्पित होने जा रही है। भूमंत्र विवाह का मुख्य उद्देश्य योग्य वर-वधुओं को जोड़ना और विवाह जैसे पवित्र बंधन के लिए एक सुरक्षित एवं विश्वसनीय मंच उपलब्ध कराना है। यह पूर्णतया भूमिहार ब्राह्मण समुदाय पर केन्द्रित वैवाहिक वेबसाइट होगी जिसपर 100% सत्यापित प्रोफाइल उपलब्ध होंगे जो इसकी विश्वसनीयता और प्रमाणिकता का सबसे बड़ा पैमाना होगा। यह मंच न केवल वर-वधु की खोज को आसान बनाएगा बल्कि परिवारों को भी जोड़ने का एक माध्यम बनेगा। यह बेवसाइट www.bhumantravivah.com है।

बिनायक एनक्लेव एसोसिएशन द्वारा आयोजित गणेश चतुर्थी पूजा के अवसर पर उपस्थित महिला सदस्य।

इजरा स्ट्रीट में आयोजित तीन दिवसीय गणेश पूजा का हुआ उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : इजरा स्ट्रीट में आयोजित तीन दिवसीय गणेश पूजा के प्रथम दिन बुधवार को उद्घाटन एवं पूजन हुआ। साथ ही साथ 125 किलो लड्डू का प्रसाद इजरा स्ट्रीट के महाराजा को अर्पित किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री डॉ सुकान्त मजूमदार एवं वार्ड 45 के पार्षद संतोष पाठक रहे। संस्था के अध्यक्ष उमाकान्त अग्रवाल (बंटी) ने अंग वस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत किया। सचिव पवन पांडे, कार्यकारी अध्यक्ष कुशल पांडे, ओमप्रकाश साव एवं मुन्ना सिंह ने मोमेंटो प्रदान किया। इस मौके पर सीटा के अध्यक्ष जितेंद्र सुराणा, समाजसेवी राजीव राठी, प्रकाश सिंह, रंजित सिंह, मनोज ओझा, राहुल भक्ता, चंदन सिंह, मोहन पांडेय, डॉ. मुकेश सिन्हा, हरे राम सिंह, मंटू साव, हरिलाल यादव, राजन सिंह, गोलू वर्मा, किरन हाटी, चंदन साव, चंद्रेश मेघानी आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। संस्था के महामंत्री पवन पांडेय यजमान के रूप में पूजा में बैठे।

पूर्व रेलवे

सं. सीओएम/सीएटीजी/न्यू अलॉटमेंट/ई-टेंडर/2022 दिनांक: 25.08.2025 मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व रेलवे, 4वीं मंजिल, रेल यात्री निवास, न्यू कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा जीएमयू के माध्यम से 05 वर्ष की अवधि के लिए खानपान सेवाएं प्रदान करने के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसमें a) न्यूनतम 03 (तीन) वर्ष का खानपान व्यवसाय का अनुभव, b) खानपान व्यवसाय से पिछले तीन वित्तीय वर्षों में से किसी एक में सांकेतिक लाइसेंस शुल्क का न्यूनतम 03 (तीन) गुना वार्षिक टर्नओवर और c) पिछले तीन वित्तीय वर्षों में लाभ या हानि + संचित भंडार + न्यूनतम रु। 03 (तीन) लाख का शेयर पूंजी। **क्रम.सं.; निविदा सूचना सं.; स्टेशन; स्थान; आरक्षण श्रेणी; आरक्षित मूल्य/सांकेतिक लाइसेंस शुल्क (प्रति वर्ष); संविदात्मक मूल्य; ईएमडी (संविदात्मक मूल्य का 2%); निविदा दस्तावेज की लागत और जीएसटी (निविदा दस्तावेज की लागत पर 12%)** क्रमानुसार :

हावड़ा मंडल के 'ए1' श्रेणी के स्टेशनों पर जीएमयू इकाइयां स्थापित की जाएंगी

1; आर4-जीएमयू-एचडब्ल्यूएच-एनसी-एसटी-पीएफईएनडी6; हावड़ा; न्यू कॉम्प्लेक्स/दक्षिण कॉनकोर्स/पीएफ समापन/6 से; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 28,17,683.00; रु. 2,93,100.00; रु. 5,000.00; रु. 600.00.

हावड़ा मंडल के 'ए' श्रेणी के स्टेशनों पर जीएमयू इकाइयां स्थापित की जाएंगी

1; आर3-जीएमयू-कैटजी-आरपीएच-पीएफ2-3-2; रामपुरहाट; पीएफ-2 और 3/एफओबी और पीएफ शेड के बीच/बीएचपी एंड (नंबर 2); 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-महिला; रु. 5,22,842.00; रु. 54,400.00; रु. 3,000.00; रु. 360.00.

हावड़ा मंडल के 'बी' श्रेणी के स्टेशनों पर जीएमयू इकाइयां स्थापित की जाएंगी

1; आर6-जीएमयू-कैटजी-बीएचपी-पीएफ2-3; बोलपुर; पीएफ-2&3; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु.4,66,319.00; रु.48,500.00; रु.3,000.00; रु.360.00.

हावड़ा मंडल के 'सी' श्रेणी के स्टेशनों पर जीएमयू इकाइयां स्थापित की जाएंगी

(1); आर9-जीएमयू-कैटजी-जीबीआरए-पीएफ1; गोबरा; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट। जीएमयू-जनरल; रु. 75,912.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(2); आर9-जीएमयू-कैटजी-बीजीएनए-पीएफ1**; बलगोना; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 66,887.00; रु. 7,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(3); आर12-जीएमयू-कैटजी-बीएलवाई-पीएफ1-1ए;** बाली; पीएफ-1&1ए; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला रु. 2,30,804.00; रु. 24,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(4); आर11-जीएमयू-कैटजी-केओजी-पीएफ1-2;** कोन्नगर; पीएफ-1&2; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 2,30,804.00; रु. 24,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(5); आरई15-जीएमयू-कैटजी-बीईक्यू-पीएफ5;** बेलूर; पीएफ-5; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 2,44,935.00; रु. 25,500.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(6); आरई15-जीएमयू-कैटजी-यूपीए-पीएफ1-2;** उत्तरपाड़ा; पीएफ-1&2; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 2,30,804.00; रु. 24,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(7); आरई7-जीएमयू-कैटजी-एलएलएच-पीएफ5;** लिलुआ; पीएफ-5; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 2,87,328.00; रु. 29,900.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(8); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एसएमएई-पीएफ1;** समुद्रगढ़; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 1,06,356.00; रु. 11,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(9); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एमयूजी-पीएफ2-3;** मगरा; पीएफ-2&3; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 85,482.00; रु. 8,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(10); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एसआईयू-पीएफ1;** सिंगुर; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 82,229.00; रु. 8,600.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(11); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एजीएई-पीएफ1;** अग्रद्वीप; पीएफ-1 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 95,621.00; रु. 10,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(12); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीएएचडब्ल्यू-पीएफ1;** बाहिरखण्ड; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 1,02,723.00; रु.10,700.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(13); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीएलएई-पीएफ1;** बलरामबाटी; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 75,912.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00.**(14); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीएचएलए-पीएफ1;** बेहुला; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 1,06,356.00; रु. 11,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(15); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीएफजेड-पीएफ1;** भांडारटिकुरी ; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 88,799.00; रु. 9,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(16); आरई14-जीएमयू-कैटजी-ग्रे-पीएफ1ए;** गुड़ाप ; पीएफ-1ए; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 75,912.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(17); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एलकेएक्स-पीएफ1;** लक्ष्मीपुर; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 88,799.00; रु. 9,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(18); आर ई14-जीएमयू-सीएटीजी-लोक-पीएफ1;** लोकनाथ; पीएफ-1; 5' X 6' अर्थात 30 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 69,895.00; रु. 7,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(19); आरई14-जीएमयू-सीएटीजी-एमयूयू-पीएफ1;** मानकुन्डु; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 95,621.00; रु. 10,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(20); आरई14-जीएमयू-सीएटीजी-एमबीई-पीएफ1;** मिर्ज़ापुर बाँकिपुर; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 75,935.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(21); आरई14-जीएमयू-कैटजी-पीएलएई-पीएफ1;** पालसिट; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 82,229.00; रु. 8,600.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(22); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एसएलजी-पीएफ1;** सिमलागढ़; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 82,229.00; रु. 8,600.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(23); आरई14-जीएमयू-कैटजी-टीबीएई-पीएफ1-2**; त्रिबेणी; पीएफ-1&2 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-महिला; रु. 95,621.00; रु. 10,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(24); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीसीजीएम-पीएफ1;** बैंचीग्राम; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 82,229.00; रु. 8,600.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(25); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीजीएई-पीएफ1;** बलागढ़; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 1,13,810.00; रु. 11,900.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(26); आरई14-जीएमयू-कैटजी-बीएमएई-पीएफ1-2;** बेलमुरी; पीएफ-1&2; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 66,887.00; रु. 7,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(27); आरई14-जीएमयू-कैटजी-सीडीएई-पीएफ1-2;** चंदनपुर; पीएफ-1&2; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 66,887.00; रु. 7,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(28); आरई14-जीएमयू-कैटजी-डीईए-पीएफ1;** दियाड़ा; पीएफ-1; 5' X 6' अर्थात 30 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 69,895.00; रु. 7,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(29); आरई14-जीएमयू-कैटजी-डीटीएई-पीएफ1**; धात्रीग्राम; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 1,06,356.00; रु. 11,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(30); आरई14-जीएमयू-कैटजी-डीएमएलई-पीएफ1;** डुमुरदह; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 1,06,356.00; रु. 11,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(31); आरई14-जीएमयू-कैटजी-जीएफएई-पीएफ1;** गरिफा; पीएफ-1; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 88,799.00; रु. 9,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(32); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एचपीएल-पीएफ1;** हरिपाल; पीएफ-1; 5' X 6' अर्थात 30 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 64,525.00; रु. 6,800.00; रु. 1,000.00; रु.120.00. **(33); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एचआईएच-पीएफ1-2;** हाजीगढ़; पीएफ-1&2; 10' X 6' अर्थात 60 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 66,887.00; रु. 7,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(34); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एचवाईजी-पीएफ1;** हुगली घाट; **पीएफ-1;** 5' X 6' अर्थात 30 वर्ग फीट; जीएमयू-जनरल; रु. 75,479.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(35); आरई14-जीएमयू-कैटजी-जेआरएई-पीएफ1;** जौग्राम; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 75,912.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(36); आरई14-जीएमयू-कैटजी-जेपीक्यू-पीएफ1;** झापानडांगा; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 75,912.00; **(37); आर ई14-जीएमयू-कैटजी-जेआईटी-पीएफ1;** जिराट; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 1,06,356.00; रु. 11,100.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(38); आरई14-जीएमयू-कैटजी-केकेएई-पीएफ1;** कैकला; पीएफ-1; 5' x 6' अर्थात 30 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 69,895.00; रु. 7,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(39); आरई14-जीएमयू-कैटजी-केएमएई-पीएफ1-2;** खामारगाछी; पीएफ-1&2; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 95,621.00; रु. 10,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(40); आरई14-जीएमयू-कैटजी-केएचएन-पीएफ1;** खानयान; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 82,229.00; रु. 8,600.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(41); आरई14-जीएमयू-कैटजी-केजेयू-पीएफ1;** कुंतीघाट; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 1,13,810.00; रु. 11,900.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(42); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एमडीएसई-पीएफ1;** मधुसूदनपुर; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 75,912.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00; **(43); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एमएवाईपी-पीएफ1;** मायापुर; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 64,013.00; रु. 6,700.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(44); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एनबीएई-पीएफ1;** नवग्राम; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 75,912.00; रु. 7,900.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(45); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एनएसएफ-पीएफ1;** नसीबपुर; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 88,799.00; रु. 9,300.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(46); आरई14-जीएमयू-कैटजी-पीबीजेड-पीएफ1-2;** पोड़ाबाज़ार; पीएफ-1&2; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 66,887.00; रु. 7,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **(47); आरई14-जीएमयू-कैटजी-एसओएई-पीएफ1;** सोमराबाजार; पीएफ-1; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 1,13,810.00; रु. 11,900.00; रु. 2,000.00; रु. 240.00. **(48); आर11-जीएमयू-कैटजी-पीआरएई-पीएफ1-2;** पाल्ला रोड; पीएफ-1&2; 10' x 6' अर्थात 60 वर्ग फुट; जीएमयू-जनरल; रु. 66,887.00; रु. 7,000.00; रु. 1,000.00; रु. 120.00. **सभी क्रम के लिए अंतिम तिथि:** 12.09.2025. **(i)** टेंडर दस्तावेज़ की लागत पर 12% जीएसटी राशि फॉरवर्ड चार्ज के माध्यम से एकत्र की जाती है। **(ii)** टेंडर दस्तावेज़ की उपलब्धता: **www.ireps.gov.in (iii) अनुबंध की अवधि:** 05 वर्ष। **(iv) प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **(v)** बोलियाँ केवल ऑनलाइन प्रस्तुत की जानी हैं। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(HWH-266/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दर्द से ऐसे बचें

नीतू गुप्ता

दर्द कभी भी, कहीं भी, किसी भी उम्र में आपको तंग कर सकता है। अगर हम सक्रिय रहें, मोटापा काबू में रखें, पाश्चर ठीक रखें और अपना खान-पान साधारण और पौष्टिक रखें तो हम उम्र के साथ होने वाली दर्दों से स्वयं को बचा सकते हैं।

सक्रिय रहें, व्यायाम करें:-

❋ सक्रिय रहने के लिए अपने काम स्वयं करें। उठने बैठने में आलस न करें। शरीर के सारे जोड़ चलते रहें इसके लिए जरूरी है नियमित व्यायाम जैसे कार्डियोवस्कुलर, स्ट्रेचिंग, स्ट्रेंथनिंग, योगाभ्यास आदि। अगर आप जवान हैं और घुटने, कमर सही हैं तो आप ब्रिस्क वॉक नियमित कर सकते हैं। अगर आयु बढ़ रही है तो साधारण सैर 25 से 30 मिनट तक अवश्य नियमित करें। यह सुरक्षित व्यायाम है। इससे घुटनों और कमर पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता।

❋ दिन में कुछ समय स्ट्रेचिंग पर अवश्य दें जिन्हें सूक्ष्म क्रियाएं कहते हैं। कलाइयों, घुटनों, कमर को स्ट्रेच करें ताकि जोड़ सक्रिय रहें और इनमें मूवमेंट बनी रहे।

❋ व्यायाम करने से हमारी मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, खून का दौरा बढ़ता है और जहां दर्द होता है ध्यान वहीं रखकर व्यायाम करें। जिनको अक्सर दर्द की शिकायत रहती हो उन्हें व्यायाम करना अपना नियम बना लेना चाहिए और वजन काबू करना चाहिए।

खानपान पौष्टिक रखें:-

शरीर को दर्द से बचाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना जरूरी है। नियमित रूप से मेवे, कम फैट वाला दूध, दही, छाछ, दालें, टोफू, सब्जियां, ब्रोकली, मशरूम, चुकंदर, फल, सोयाबीन लें। पानी दिन में 2 से 3 लिटर पिएं ताकि मांसपेशियां मुलायम बनी रह सकें।

विटामिन डी और कैल्शियम की कमी को दूर रखें:-

विटामिन डी की कमी धूप सेवन से प्राकृतिक रूप से दूर होती है। विशेषज्ञों के अनुसार माह में 4-5 दिन तक 80 प्रतिशत शरीर खुला रखकर 45 मिनट तक धूप में बैठें जो आज की भागदौड़ वाली जिंदगी में मुश्किल है। 25 से 30 साल की उम्र के बाद हर महीने 60 हजार यूनिट का विटामिन डी का सैशे लें।

कैल्शियम की कमी से भी हड्डियां कमजोर होती हैं और दर्द की शिकायत होती है। कैल्शियम से भरपूर आहार लें। डाक्टर की सलाह पर जरूरत होने पर कैल्शियम सप्लिमेंट भी ले सकते हैं।

उठने-बैठने, सोने,चलने में शरीर की स्थिति ठीक रखें:-

❋ पॉश्चर की गलती भी हमारे अंगों में दर्द का कारण बनती है। बैठते हुए कमर झुकाकर न बैठें, कुर्सी, सोफे, गाड़ी में बैठते समय बट्स का 70 से 80 प्रतिशत हिस्सा बैठने के स्थान सीट पर रखें, बाकी सीट से बाहर। पैरों को अधिक देर तक लटका कर न बैठें। कद छोटा होने पर कुर्सी पर बैकरेस्ट लगा कर रखें। घुटने पर घुटना या पैर पर पैर रखकर न बैठें। पैरों के नीचे भी फुट सपोर्ट रखें।

❋ टीवी बिस्तर पर बैठकर या लेटकर न देखें। कुर्सी पर बैठकर देखें। पढ़ते समय भी बेड पर लेटकर न पढ़ें। बिस्तर से उठते समय एकदम झटके से न उठें। साइड करवट लें और फिर उठें ताकि हार्ट पर अधिक दबाव न पड़े और कमर को भी झटका न लगे।

❋ चलते समय आगे झुककर न चलें। कंधों को थोड़ा पीछे रखकर चलें। घुटनों और पीठ को सीधा रखें। एक पैर पर खड़े न हों। पैरों को पटककर या घुमाकर न चलें। पैर का पूरा जमीन पर रखकर चलें।

❋ ड्राइविंग करते समय स्वयं को स्टेयरिंग के पास रखें। सीट पर इस तरह बैठें कि घुटने हिप्स के बराबर रहें। कमर के निचले भाग में तौलिए का सपोर्ट बना कर रखें।

❋ घुटने, गर्दन को लगातार एक पॉश्चर में रखें,थोड़े अंतराल में घुमाते रहें। कंप्यूटर पर काम करते समय एक घंटे के अंतराल पर सीट से उठें, शरीर को स्ट्रेच करें और थोड़ा चलें। गर्दन दोनों तरफ धीरे धीरे घुमाएं आगे पीछे भी।

❋ रसोई में स्लैब की ऊंचाई इतनी रखें कि झुककर काम न करना पड़ सके। ज्यादा देर खड़े होकर काम न करें। बीच बीच में इधर-उधर चलें या फिर ऊंचा स्टूल, कुर्सी रख कर बैठ जाएं।

❋ योग द्वारा भी दर्दों को काबू में रखा जा सकता है। किसी विशेषज्ञ की देखरेख में यौगिक क्रियाएं,प्राणायाम सीखें। मन को शांत रखें।

❋ एक गिलास गुनगुने दूध में आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर और पांच बूंदें गाय के घी की डालकर नियमित पिएं। फ्लैक्स सीड्स, सफेद तिल, आंवले, सोयाबीन का नियमित सेवन करें।श्ताजी चोट लगने पर, लाल होने और सूजने पर बर्फ की सिंकाई करें। पुरानी चोट या अकड़न होने पर गर्म पानी की सिंकाई करे ताकि मांसपेशियां नरम पड़ सकें। खून का दौरा बढ़ाने के लिए गर्म-ठंडे पानी की सिंकाई बारी-बारी करें। शुरूआत गर्म से करें और अंत में भी गर्म पानी डालें। दिन में दो बार इस क्रिया को दोहराया जा सकता हैं। (स्वा.द.)

सेहत की खबरें

पूनम दिनकर

जीवनशैली में बदलाव से ही भागेगा मधुमेह

मधुमेह असाध्य बीमारी है जो तेज़ी से लोगों के जीवन को समाप्त कर रही है। इस बीमारी से पीड़ित लोगों को हृदयाघात होने के बाद उन्हें पता तक नहीं चलता और मौत हो जाती है। पटना के एक सेमिनार में बोलते हुए प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एस. एन. आर्या ने कहा कि लोगों को खान-पान एवं जीवनशैली में बदलाव लाना होगा, तभी जाकर मधुमेह जैसी खतरनाक बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है। डॉ. आर्या के अनुसार मधुमेह के रोगियों में हृदय रोग की संभावना तीन गुना अधिक बढ़ जाती है। मधुमेह से हृदय रोग के साथ ही लकवा, अंधापन, यौन संबंधों में कमी, टी. बी. एवं एड्स जैसी गंभीर बीमारी होने की आशंका प्रबल हो जाती है।

कैंसर से बचाती है हर्बल चाय

तुलसी, पुदीनहरा, अदरक, नींबू और पेपर सॉल्ट को मिलाकर अच्छी तरह उबालकर चाय के लीकर के साथ मिलाकर चाय की तरह घूंट -घूंट पीने वालों में कैंसर नहीं होता है। इस प्रकार की चाय में विटामिन और फ्लेवनायड्स जैसे कुछ ऐसे तत्व पाये जाते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। ये फ्री रेडिकल्स ही शरीर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचाते हैं। यह चाय कैंसर, हृदय संबंधी बीमारियों, गैस्ट्रिक, अल्सर और ब्लडशुगर जैसी घातक बीमारियों के खतरे को भी काफी हद तक कम कर देती हैं। चाय को बिना दूध डाले पीना ही लाभप्रद होता है।

2030 तक प्रतिवर्ष एक करोड़ लोग कैंसर से मरने लगेंगे

कैंसर अवेयरनेस सोसायटी पटना में आयोजित कैंसर जागरूकता शिविर में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. ए. ए. हाई ने बताया कि इस समय प्रतिवर्ष 40 लाख कैंसर के रोगी काल के गाल में समा रहे हैं। अगर यही रफ्तार रही तो 2030 तक काल के गाल में समाने वाले रोगियों की संख्या प्रतिवर्ष एक करोड़ तक हो जाएगी। डॉ. हाई के अनुसार कुल कैंसर के मरीज़ों में एक तिहाई व्यक्ति तम्बाकू जनित कैंसर से पीड़ित हैं जिसे आसानी से रोका जा सकता है।

मासिक चक्र की अनियमितता में कैंसर के भी लक्षण

डॉ. पूनम दीक्षित के अनुसार मासिक चक्र की अनियमितता, गुप्तांग से खून में बदबू आना आदि लक्षण कैंसर के हो सकते हैं। ऐसा होते ही तुरंत जांच करानी चाहिए। डॉ. दीक्षित के अनुसार महिलाएं अधिकांशतः बच्चेदानी के कैंसर से पीड़ित होती हैं। कम उम्र में शादी एवं दो बच्चों के जन्म में अंतराल कम होने की वजह से कैंसर होता है। गुप्तांगों को साफ रखना, कम उम्र में शादी एवं बच्चे पैदा करने से बचना, फ्री सेक्स से बच कर विवाह पूर्व सेक्स सम्पर्क न करना ही गर्भाशय कैंसर से बचने का सही तरीका है।

कैंसर पैदा करते हैं रंगीन खाद्य पदार्थ

कैंसर जागरूकता शिविर में डॉ. मालती झा ने बताया कि अधिक दिनों तक फ्रिज में रखे फल-सब्ज़ी का सेवन करना घातक होता है। खाद्य पदार्थों में रंगों के मिलावट का प्रचलन निरन्तर बढ़ता जा रहा है। इन पदार्थों के निरन्तर सेवन से कैंसर हो सकता है। भिण्डी, करेला, बैंगन आदि अनेक ऐसी सब्ज़ियां हैं जिन्हें बाजारों में रंगकर बेचा जाता है। डॉ. झा के अनुसार इस प्रकार के रंगे खाद्य पदार्थों से महिलाओं में सेक्सगत कमजोरियों भी आ जाती हैं जिसका उपचार कठिन होता है।

गर्भ में ही बच्चे की विकलांगता को दूर किया जा सकता है

आधुनिक तकनीक से गर्भ में पल रहे बच्चों की विकलांगता को भी ठीक किया जा सकता है किंतु सभी तकनीक शुरूआती परीक्षण के बाद ही कारगर हो सकती हैं। गंभीर विकलांगता रहने पर गर्भपात कराना ही उचित निर्णय है। निलोफर अस्पताल हैदराबाद के विशेषज्ञ डॉ. एन. सी. के रेड्डी के अनुसार गर्भवती महिलाओं को गर्भ के सोलहवें सप्ताह तक अल्ट्रासाउंड करवाकर उदर में पल रहे शिशु की विकलांगता से संबंधित जानकारियों को अवश्य ही प्राप्त कर लेना चाहिए। डॉ. रेड्डी ने बताया कि जन्मजात विकलांगता के अन्तर्गत बच्चों के होंठ कटे होते हैं या उनका सिर काफी बड़ा या काफी छोटा होता है। इस बीमारी को हाइड्रोकेफालस तथा एनन केफालस कहा जाता

दांतों से दिल का नाता

डॉ. सीतेश कुमार द्विवेदी

दांत, मसूड़े एवं मुंह की भीतरी बीमारी का दिल एवं शरीर के साथ गहरा नाता है। यदि दांत, मसूड़े एवं मुंह स्वस्थ रहेंगे तो आपका दिल एवं शरीर स्वस्थ रहेगा। दांत एवं मसूड़े मात्रा भोजन को चबाने या सुंदर मुस्कान के ही काम नहीं आते। सभी बड़े बुजुर्ग, बच्चों को नियमित दांतों की सफाई करने की सलाह एवं उपदेश देते हैं। यह हमारे खानपान एवं जीवनचर्या का अभिन्न अंग हैं।

हमारे यहां यह नित्यकर्म में शामिल है। इसके लिए प्राकृतिक साधन दातुन मिलता है। इस हेतु विभिन्न वृक्षों की नर्म टहनियों का उपयोग किया जाता है। दातुन एवं ब्रश मसूड़ों की सफाई के काम आते हैं। इन्हें मजबूत एवं निरोग रखते हैं। खानपान एवं जीवनचर्या स्वस्थ शरीर के लिए जितना महत्त्व रखते हैं, उतना ही महत्त्व शरीर के इस भाग की सफाई एवं उसके स्वस्थ रहने का है।

इनके बीमार रहने पर इनमें मौजूद बैक्टीरिया दिल तक पहुंच जाते हैं और व्यक्ति के दिल एवं शरीर को बीमार बनाते हैं। इनके खराब रहने से दिल का खतरा सबसे ज्यादा बढ़ता है। इसके अलावा यदि व्यक्ति को दांत, मसूड़े एवं मुंह की बीमारी लगातार होती है तब उसे हृदय रोग, मधुमेह एवं निमोनिया होगा या है, यह माना जाता है।

कारण क्या है

हम दैनिक जो भी वस्तु खाते या पीते हैं उसका कुछ अंश दांतों एवं मसूड़ों के आसपास तथा मुंह के भीतर जमा रहता है जो सफाई के अभाव में सड़ता रहता है जिससे गंदगी की परत में कीटाणु एवं बैक्टीरिया को पनपने का मौका मिल जाता है। ये दांतों व मसूड़ों को संक्रमित कर अस्वस्थ करते हैं। और कमजोर करते रहते हैं। इससे दांत सड़ने, गलने एवं खोखले होने लगते हैं। दांतों में दर्द एवं मसूड़ों में सूजन होने लगती है। मुंह से लगातार दुर्गंध आने लगती है। पायरिया हो जाता है।

मीठी वस्तुएं स्वादिष्ट जरूर होती हैं किन्तु सफाई के अभाव में यही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। मीठी वस्तुओं से ही दांत, मसूड़े एवं मुंह की अधिकतर बीमारियां होती हैं जो सफाई के अभाव में तेजी के साथ नुकसान पहुंचाते हैं।

कैविटी, पायरिया, मसूड़ों में सूजन, बैक्टीरिया एवं संक्रामक कीटाणु रक्त के माध्यम से हृदय एवं रक्त वाहिकाओं में पहुंच जाते हैं जो रक्त वाहिकाओं को कड़ा कर देते हैं। रक्त का थक्का बनाते हैं। हृदय रोग एवं हृदयघात के कारण बनते हैं। मधुमेहियों को मुंह की बीमारी अधिक होती है। यह मधुमेह का जोखिम बढ़ाता है। इससे निमोनिया की बीमारी होती है।

बचाव के उपाय

दातुन एवं ब्रश से दांतों की सफाई की जाती है। इनमें दातुन श्रेष्ठ होता है। बबूल एवं नीम आदि के दतुवन (दातुन) से दांत एवं मसूड़ें मजबूत होते हैं एवं निरोग रहते हैं। ब्रश कैसा हो एवं मंजन या टूथपेस्ट कौन सा हो, यह मायने नहीं रखता अपितु दांतों की सफाई किस तरह करते हैं, यह मायने रखता है। टूथपेस्ट एवं मंजन में खतरनाक रसायन मिले होते हैं। ये नुकसान पहुंचाते एवं कई दवाओं को निष्प्रभाव बना देते हैं।

दांतों की नियमित एवं दैनिक दो बार भली प्रकार से सफाई करें। ब्रश के दांतें नरम हों। ब्रश अपना व्यक्तिगत हो। ब्रश को हर दो माह बाद बदल दें। दूसरे का ब्रश उपयोग न करें। कुछ भी खाने या पीने के बाद कुल्ला कर मुंह की सफाई करें। उंगली से मसूड़ों की दैनिक मालिश करें। दांतों से अधिक कठोर वस्तु न चबाएं। दांतों के बीच कुछ वस्तु या कचड़ा फंसा हो, उसे साफ कर निकाल दें।

कैल्शियम एवं खनिज तत्व से दांत मजबूत होते हैं। फल, सब्जी एवं सलाद दांतों के लिए श्रेष्ठ हैं। इससे मसूड़ों का व्यायाम होता है जिससे दांत मजबूत होते हैं। मिठाई, चाकलेट, शक्कर, गुड़ अधिक खट्टी चीजें दांतों के दुश्मन हैं। ये दांतों को नुकसान पहुंचाते हैं। ये बैक्टीरिया को पनपाते हैं, दांतों पर कैविटी बनाते हैं, अतएव इससे बचने के लिए खाने के बाद कुल्ला कर मुंह साफ करें।

फलों के जूस के स्थान पर फल चबाकर खाएं। सेब, अमरूद, गाजर, मूली, खीरा, ककड़ी, चुकंदर आदि का सेवन करें। दही का उपयोग करें। हर हाल में दांतों को मजबूत एवं निरोग रखने के उपाय करें। ये जीवन भर साथ देते हैं। हृदय, मधुमेह रोगी एवं गर्भवती महिला विशेषकर इसका ध्यान रखें। दांतों, मसूड़ों व मुंह के स्वस्थ रहने से खाने का स्वाद आएगा, आनंद मिलेगा और व्यक्ति अपनी पूर्ण आयु तक जीवित रहेगा। (स्वा.द.)

इन्हें भी आजमाइये

जसबीर कौर

ऐसा कहा जाता है कि स्वस्थ मस्तिष्क में ही स्वस्थ जीवन का विकास होता है। अंग्रेजी में कहावत भी है कि हैल्थ इज वैल्थ। जिस व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होगा, वह अपना कार्य भी सुचारू रूप से कर सकेगा। अस्वस्थ मनुष्य तो अपने एवं दूसरे के लिये भी भार स्वरूप होता है जिसके लिये कुछ उपाय हैं-

❋ एक पाव गर्म पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर रात को सोते समय पीने से कब्ज की शिकायत दूर होती है।

❋ घास पर पड़ी हुई ओस की बूंदों पर प्रातः चलने से आंखों की ज्योति बढ़ती है।

❋ खाना खाने के आधे घंटे बाद पानी पीना चाहिये।

❋ रात का खाना सोने के दो घंटे पहले खाना चाहिये ताकि खाना आसानी से पच सके।

❋ रात में तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी खाली पेट सुबह पीने से पेट साफ हो जाता है और कब्ज की शिकायत दूर हो जाती है।

❋ व्यायाम करते रहने से घुटनों के दर्द में राहत मिलती है।

❋ होंठ फटने पर रात के समय नाभि पर एक बूंद सरसों का तेल मला जाये, तो होंठों का फटना ठीक हो जाता है।

❋ अनार का रस होंठों पर प्रतिदिन लगाते रहने से होंठ गुलाबी हो जाते हैं।

चेहरे पर बादाम के तेल की मालिश करते रहने से झुर्रियों से छुटकारा मिलता है।

❋ मुंहासों पर लहसुन रगड़ देने से मुंहासे मिट जाते हैं।

❋ मुंह की बदबू दूर करने के लिये तुलसी के पत्ते चबाकर कुल्ला करना चाहिये।

❋ मुंह में पिपरमिंट रख लेने से जम्हाई और नींद आना बंद हो जाता है।(स्वा.द.)

तैलीय और खुश्क त्वचा: घरेलू उपचार

सुनीता गाबा

तैलीय त्वचा के लिए:-

- नमक में पानी मिलाकर फेस स्क्रब करें।
- बर्फ त्वचा पर हल्के हल्के मलें।
- टमाटर को बीच में काटकर त्वचा पर रगड़े, 10 मिनट बाद चेहरा धो लें।
- अंडे की सफेदी को फेंट कर चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट बाद चेहरा धो लें?
- ज्यादा तैलीय भोजन का सेवन न करें।
- सेब को कद्दूकस करें और चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा धो लें।
- दिन में तीन-चार बार चेहरा धोएं।
- दो बड़े चम्मच पानी में एक बड़ा चम्मच नींबू का रस मिलाएं और 10 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।
- क्ले मास्क का प्रयोग करें।
- वाटर बेस्ड ब्यूटी प्राडक्टस का प्रयोग करें। क्रीम और ऑयल बेस्ड प्राडक्टस का प्रयोग न करें।
- ककड़ी को कद्दूकस कर त्वचा पर लगाएं। थोड़ी देर बाद चेहरा धो लें।

खुश्क त्वचा के लिए:-

- स्नान करते समय गर्म पानी का प्रयोग न करें। कुनकुना पानी ही नहाने में प्रयोग करें।
- चेहरे पर माइल्ड साबुन या फेसवाश का प्रयोग करें।
- पानी खूब पिएं।
- पौष्टिक आहार का सेवन करें। घ्फ्रूटस ककड़ी, खीरा, तरबूज, लीची, खरबूजे का सेवन नियमित करें।
- नहाने के तुरंत बाद माश्चराइजर लगाएं।
- केमिकल्स बेस्ड ब्यूटी प्राडक्टस का प्रयोग न करें। अल्कोहल बेस्ड प्राडक्ट्स का भी प्रयोग न करें।
- मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग न करें।
- त्वचा अगर ज्यादा खुश्क है तो रात्रि में नारियल तेल से मालिश करें। आलिव ऑयल और सनफ्लावर सीड ऑयल का प्रयोग करें।
- सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन न करें।
- त्वचा में प्राकृतिक रूप् से नमी बनी रहे।
- ओटमील पाउडर का प्रयोग नहाते समय करें। (स्वा.द.)

क्या आप रोज नहाते हैं?

अशोक गुप्त

शरीर से निकलने वाली गंदगी पसीने के रूप में सारे शरीर के रोमकूपों से निकलती है और जम जाती है। यदि इसे नियमित साफ न किया जाये तो यह बदबू और अन्य बीमारियों को जन्म देती है, अतः अच्छे स्वास्थ्य हेतु यह बहुत आवश्यक है कि नियमित स्नान द्वारा शरीर साफ रखा जाये।

विदेशों में जहां अत्यधिक ठण्ड के कारण नियमित स्नान करना लगभग असंभव ही होता है, बहुत से स्थानों पर सामूहिक या वैयक्तिक स्नानागर बने होते हैं। उचित शुल्क देकर वहां के निवासी इन स्नानागारों का प्रयोग करते हैं। इन स्थानों पर गरम पानी, साबुन व तौलिये की भी व्यवस्था होती है। भारत में अभी ऐसे स्नानागारों का विशेष प्रचलन नहीं है।

नहाने का सर्वाधिक आनन्द नदी या नहर में आता है। स्वास्थ्य हेतु भी बहते पानी में नहाना अच्छा माना जाता है क्योंकि बहता पानी गंदगी को बहा ले जाता है। यदि ऐसा पानी उपलब्ध न हो तो नल या कुएं का जल सर्दियों में अपेक्षाकृत गरम होता है। स्नान सदैव खुले जल से करना चाहिए। शरीर पर दो चार डिब्बे पानी डालकर स्नान पूर्ण न समझ लें। ऐसे स्नान का कोई लाभ नहीं होता।

स्नान कैसे करें:- स्नान करने से पहले शरीर को तौलिये से अच्छी तरह रगड़ना चाहिए जिससे शरीर पर जमी गंदगी छूट जाये व रोमकूप खुल जायें। रगड़ना सिर से आरंभ करें व सारे शरीर को रगड़ें। यौनांगों को तौलिये से न रगड़ें। तौलिये से शरीर इतना रगड़ें कि गर्मी अनुभव होने लगे।

साबुन का नियमित प्रयोग अच्छा नहीं है क्योंकि इससे शरीर की चिकनाई समाप्त हो जाती है। सप्ताह में दो बार साबुन का प्रयोग किया जा सकता है। यदि साबुन का नियमित प्रयोग करना हो तो शरीर पर हल्का तेल या चिकनाई आदि लगाते रहें। सबसे पहले पानी सिर पर डालें। उसके पश्चात सारे शरीर पर पानी डालकर अच्छी तरह रगड़ें।

बगलों में साबुन न लगाया हो तो अच्छी तरह गीला तौलियां रगड़ें। जंघामूलों और यौनांगों को साबुन से अवश्य धोयें। यदि कोई चर्म रोग आदि हो और साबुन से कष्ट हो तो नीम या चन्द्रिका आदि मेडीकेटिड साबुन से धोयें। यहां की सफाई बहुत आवश्यक है। शिश्न की खाल उतार कर अच्छी तरह साफ करें। महिलाओं को भी योनि के अन्दर अच्छी तरह सफाई करनी चाहिए नहीं तो सफेद सी मैल

जमा हो जाती है जो दुर्गन्ध युक्त तो होती ही है, कई रोग पैदा करने वाली भी मानी जाती है।

पैरों को रगड़ कर साफ करें क्योंकि जमीन पर रहने के कारण उनमें प्रायः काफी गंदगी जमा हो जाती है। स्नान पूर्ण निर्वस्त्र होकर करना चाहिए ताकि शरीर के सब अंग अच्छी तरह साफ हो सके।

कब नहायें:-

प्रातः सुबह स्नान ही सर्वोत्तम माना जाता है। यद्यपि बहुत लोग सायं और रात को भी नहाते हैं। कई लोग दिन में दो बार नहाते हैं। गर्मियों में रात को सोने से पहले नहाना अच्छी नींद लाने में सहायक होता है। जिन्हें आसानी से नींद न आती हो वे सोने से पूर्व नहाकर देखें। काफी संभावना है कि उनकी यह शिकायत दूर हो सकती है।

स्नान करने के पश्चात शरीर को सूखे तौलिये से अच्छी रगड़कर साफ करें। अब देखिए आप कैसा चुस्त और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है। वास्तव में नहाने से मांसपेशियों में शिथिलता समाप्त होकर चुस्ती आ जाती है और रक्त संचार की गति तीव्र हो जाती है। (स्वा.द.)

Suffering from hip or Knee pain?
Ask Dr. Santosh

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी आपको सामान्य स्थिति में वापस ला सकती है, जब सटीकता के साथ की जाये -डॉ संतोष कुमार

प्रश्न: घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: आम तौर पर घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण जैसे कि एसीएल पुनर्निर्माण आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया द्वारा किया जाता है जो युवा सक्रिय लोगों के लिए उपयोग किया जाता है। वृद्ध लोगों के लिए जिसे गठिया पहले से ही हो चुका होता है, तो उनके लिए आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया की कोई भूमिका नहीं होती है।

प्रश्न: विस्कोसप्लिमेंटेशन कितना उपयोगी है?
डॉ. कुमार: विस्कोसप्लिमेंटेशन का अर्थ है अत्यधिक क्रॉस लिंक्ड उच्च आणविक भार हायलूरोनिक एसिड का इंजेक्शन जो घुटने का प्राकृतिक स्नेहक है। मेरी राय में, इसकी भूमिका बहुत अधिक नहीं है लेकिन निश्चित रूप से यह एवस्कुलर नेक्रोसिस आदि को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: जब कूल्हे या घुटने के प्रतिस्थापन गठिया अपने दर्द, प्रतिबंधित गतिविधियों, अस्थिरता या विकृति के माध्यम से दैनिक जीवन, सामाजिक गतिविधियों, पेशेवर या व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करना शुरू कर देता है, तो व्यक्ति को जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता होती है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सही उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: जब भी दैनिक जीवन की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होती है, चाहे उम्र कुछ भी हो, तो जॉइंट रिप्लेसमेंट पर विचार करना चाहिए। जॉइंट रिप्लेसमेंट में देरी करने से सर्जरी अधिक मुश्किल हो जाती है और रिकवरी में देरी होती है, लेकिन इसे जरूरत से पहले भी नहीं किया जाना चाहिए।

Joint Replacement Surgeon Dr Santosh Kumar With world's latest Navigation System Orthopilot

प्रश्न: गठिया के प्रकार क्या हैं?
डॉ कुमार: अधिकांश गठिया उम्र से संबंधित होते हैं, घिसने के कारण होते हैं, लेकिन विभिन्न विशिष्ट गठिया पूर्ण घुटने को मोड़ने में अधिक समय लगता है, जो कम उम्र में प्रभावित कर सकते हैं जैसे किशोर गठिया, एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, युवा गठिया वाले लोग ज्यादातर हिप गठिया से पीड़ित होते हैं।

प्रश्न: प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण की उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: बेशक, इसे फिर से किया जा सकता है। प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण ज्यादातर सीमेंटेड होते हैं और इनके औसतन 20 से 30 साल तक चलने की उम्मीद की जाती है।

प्रश्न: क्या जॉइंट प्रतिस्थापन सर्जरी दूसरी बार की जा सकती है?
डॉ. कुमार: बेशक हां, इसे फिर से किया जा सकता है और इसे रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट कहा जाता है जो पहले या प्राथमिक जॉइंट रिप्लेसमेंट जितना ही सफल होता है।

प्रश्न: सर्जरी के परिणाम को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या है?
डॉ कुमार: सबसे महत्वपूर्ण सर्जिकल तकनीक, विशेषज्ञता सर्जन व टीम का अनुभव है।

प्रश्न: क्या घुटने के प्रतिस्थापन के बाद हम पालथी मार कर बैठ सकते हैं?
डॉ कुमार: हां, हमारे पास उच्च फ्लेक्सन घुटने के प्रत्यारोपण और बेहतर सर्जिकल तकनीक हैं जो व्यक्ति को बेड, सोफा आदि चीजों पर पालथी मार कर बैठने में सक्षम बनाती हैं लेकिन अगर सर्जरी से पहले घुटना काफी अकड़ा रहा होगा, तो घुटने के पूरे मोड़ को ठीक करने में अधिक समय लगेगा।

प्रश्न: घुटने के प्रतिस्थापन के बाद किन गतिविधियों को करने की अनुमति है?
डॉ कुमार: अधिकांश गतिविधियां जैसे अप्रतिबंधित पैदल चलना, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना, ड्राइविंग, तैराकी आदि की अनुमति होगी। वहीं रस्सी कूदना, स्काटिंग जैसी उच्च प्रभाव वाली गतिविधियां प्रतिबंधित हैं।

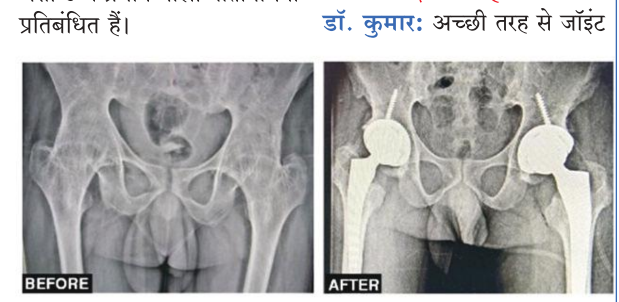

प्रश्न: फ्रैक्चर नेक फीमर का उपचार क्या है?
डॉ. कुमार: फ्रैक्चर नेक फीमर दो प्रकार का होता है, इंट्राकैप्सुलर और एक्स्ट्रास्कैपुलर। इंट्राकैप्सुलर फ्रैक्चर एक आपात स्थिति है और इसे जल्द ही ठीक करने की जरूरत होती है लेकिन कई मामलों में जब उम्र अधिक हो या जब ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो, तो हमें जॉइंट को बदलने की जरूरत पड़ सकती है जो कि पूर्ण या आंशिक हो सकता है। एक्स्ट्रास्कैपुलर फ्रैक्चर को हमें कील या प्लेट से ठीक करने की जरूरत होती है।

प्रश्न: हिप रिप्लेसमेंट के लिए सबसे अच्छा इम्प्लांट कौन सा है?
डॉ. कुमार: सबसे अच्छा इम्प्लांट नाम की कोई चीज नहीं होती है। परिणाम अच्छे होते हैं और सर्जिकल की सटीकता पर लॉंजिविटी निर्भर करती है। बेहतर गतिशीलता और स्थिरता के लिए हमारे पास बड़े सिर वाले हिप इम्प्लांट हैं। हमारे पास हड्डी के विकास के लिए छिद्रयुक्त लेपित इम्प्लांट हैं जिन्हें अनसीमेंटेड फिक्सेशन के रूप में जाना जाता है। गतिविधियां मुख्य रूप से दो हैं।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सफलता दर क्या है
डॉ. कुमार: अच्छी तरह से जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद सर्जन और टीम के हाथों में निर्भर करती है जो इसे दैनिक रूप से करते हैं। चूंकि यह परिशुद्धता आधारित सर्जरी है, इसलिए अच्छी परिशुद्धता अच्छे परिणाम देती है।

Dr. Santosh Kumar Hip & Knee Foundation
Chamber : Plot No 332, Laketown, Block A, Kolkata-700 089
Belle Vue Clinic- Kolkata ● www.mykneemylife.org ● www.facebook.com / Dr.santoshkumar.orthousurgeon
● WhatsApp : 09831911584 ● Email : santdr@gmail.com
● FREE online Consultation Link : bit.ly/consultdrsantosh
Call for Appointment : 9831911584 / 9831266632 ● Experience of Treating 35000+Patients in 18+Years

न्यूज इन ब्रीफ

असम में 11 करोड़ रुपये मूल्य की मॉर्फिन जब्त

दीफू (असम) : असम के कार्बी आंगलोंग जिले में 11 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध मॉर्फिन जब्त की गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात असम-नगालैंड अंतरराज्यीय सीमा पर नियमित गश्त के दौरान पुलिस ने दिलाई इलाके में '6 माइल' पर एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली और चालक की सीट के पीछे छिपाकर रखी गई 10.71 किलोग्राम मॉर्फीन बरामद की। उसने बताया कि वाहन में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति करने का संदेह है।

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के पास मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए

गडचिरोली : पूर्वी महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में बुधवार को एक मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों सहित कम से कम चार नक्सली मारे गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। पुलिस के एक बयान में कहा गया कि यह घटना गडचिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास हुई। बयान में कहा गया है कि पुलिस को 25 अगस्त को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गडचिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी इकाइयों के कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली थी। बयान में कहा गया है कि गडचिरोली पुलिस के नक्सल-रोधी कमांडो बल सी-60 की 19 इकाइयां और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की त्वरित कार्रवाई टीम की दो इकाइयां क्षेत्र में भेजी गईं।

छत्तीसगढ़: बस्तर क्षेत्र में भारी बारिश से बाढ़ के हालात, पांच लोगों की मौत

रायपुर : छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में पिछले 36 घंटे से हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में बारिश के कारण अब तक पांच लोगों की मौत हुई है और 86 मकानों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि अब तक क्षेत्र में 17 पशुओं की मौत होने और 165 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचने की जानकारी मिली है। क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर 43 शिविरों में 2,196 लोगों को ठहराया गया है।

जंग जीतने के लिए अब महज जवानों की तादाद या हथियारों के जखीरे काफी नहीं : राजनाथ सिंह

महू (मध्यप्रदेश) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि अप्रत्याशित भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए देश के सशस्त्र बलों को अल्पकालिक संघर्षों से लेकर पांच साल तक के युद्ध सहित सभी प्रकार की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। महू सैन्य छावनी के आर्मी वॉर कॉलेज में तीनों सेनाओं की संयुक्त संगोष्ठी 'रण संवाद 2025' के दूसरे और अंतिम दिन पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए सिंह ने यह बात कही। उन्होंने सैन्य संघर्षों में विजय प्राप्त करने के संदर्भ में यह भी कहा कि सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडारों का आकार अब पर्याप्त नहीं

रह गया है क्योंकि साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन और उपग्रह-आधारित निगरानी प्रणाली भविष्य के युद्धों को परिभाषित कर रही है। सिंह ने कहा कि सटीकता से वार करने वाले हथियार, वास्तविक समय में मिलने वाली खुफिया जानकारी और 'डेटा' से हासिल होने वाली सूचनाएं अब किसी भी सैन्य संघर्ष में सफलता की आधारशिला बन गई हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत किसी की जमीन नहीं चाहता, लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। सिंह ने कहा, आज के दौर में युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित हो गए हैं कि यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि कोई युद्ध कब समाप्त होगा और कितने समय तक चलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा,इसका मतलब यह है कि अगर कोई युद्ध दो महीने, चार महीने, एक साल, दो साल, यहां तक कि पांच साल तक भी चलता है, तो हमें उसके लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

वैष्णो देवी भूस्खलन पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा: लोगों की जान जाना बेहद दुखद

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन की घटना में लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। राष्ट्रपति ने राहत एवं बचाव कार्य के सफलतापूर्वक पूरा होने की कामना की। अधिकारियों ने बताया कि रियासी जिले में पर्वतीय क्षेत्र में स्थित मंदिर के मार्ग पर मलबे के नीचे से बचावकर्मियों द्वारा और शव निकाले जाने के बाद भूस्खलन की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। उन्होंने बताया कि लगातार और भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माता वैष्णो देवी मंदिर के यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु होने की दुखद घटना अत्यंत कष्टदायक है।

गणपति बप्पा ने ठाकरे बंधुओं को मिलाया

उद्धव पहुंचे राज के घर

मुंबई : शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे के आवास 'शिवतीर्थ' पहुंचे। राज हर साल मुंबई के दादर इलाके स्थित अपने आवास पर भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना करते हैं। शिवसेना (उबाठा) नेता उद्धव ठाकरे के साथ उनकी पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य ठाकरे भी थे। उद्धव का राज के घर जाना राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव से पहले शिवसेना (उबाठा) और मनसे के बीच सुलह का एक और मजबूत संकेत देता है। करीब दो माह पूर्व दोनों भाई कई साल बाद एक ही मंच पर साथ आए थे। शिवसेना (उबाठा) ने बाद में 'एक्स' पर गणेश चतुर्थी के अवसर पर ठाकरे परिवार के सभी सदस्यों की एक साथ तस्वीर साझा की।

तीनों सेनाओं की एकीकृत 'थिएटर' कमान का मसला खुलेपन से सुलझाएंगे : सीडीएस

महू (मध्यप्रदेश) : प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि तीनों सेनाओं की एकीकृत 'थिएटर' कमान की योजना को लेकर सेना में व्याप्त 'असहमति' को राष्ट्र के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए दूर किया जाएगा। सीडीएस ने यह टिप्पणी तीनों सेनाओं की संयुक्त संगोष्ठी 'रण संवाद 2025' के दौरान एकीकृत 'थिएटर' कमान की योजना को लेकर दो बलों के प्रमुखों के अलग-अलग विचार सामने आने के बाद की। संगोष्ठी के दौरान एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने इस योजना पर जल्दबाजी में आगे बढ़ने के प्रति मंगलवार को आगाह किया था और तीनों सेनाओं के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली में शीर्ष सैन्य अधिकारियों वाला एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। दूसरी ओर, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को कहा कि उनका बल एकीकृत 'थिएटर' कमान के लक्ष्य के अनुरूप देश की थल सेना और वायु सेना के साथ अपनी कमान और नियंत्रण, संचार और युद्ध क्षमताओं का तालमेल बैठाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनरल चौहान ने महू के आर्मी वॉर कॉलेज में दो दिवसीय संगोष्ठी 'रण संवाद 2025' के समापन सत्र में कहा,बतौर सीडीएस मैंने वास्तव में तीनों सेनाओं के बीच एकजुटता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है।

'वोटर अधिकार यात्रा' का समापन अब जनसभा नहीं, पदयात्रा से होगा

नयी दिल्ली : बिहार में राहुल गांधी के नेतृत्व में जारी 'वोटर अधिकार यात्रा' का समापन एक सितंबर को गांधी मैदान में पूर्व-घोषित जनसभा के बजाय अब पदयात्रा से होगा, जिसमें महागठबंधन के कई प्रमुख नेता तथा समर्थक शामिल होंगे। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों का कहना है कि अस्थायी तौर पर तय नये कार्यक्रम के मुताबिक राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और महागठबंधन के कई अन्य नेता गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा से पटना उच्च न्यायालय के निकट बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर प्रतिमा तक पदयात्रा करेंगे। इस पदयात्रा का पूरा रूट अगले एक-दो दिन में तय हो जाएगा। सूत्रों का कहना है कि पदयात्रा के आखिर में प्रमुख नेताओं का संबोधन भी हो सकता है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पहले घोषणा की थी कि 'वोटर अधिकार यात्रा' का समापन एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान में 'वोटर अधिकार रैली' के साथ होगा। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी की इस यात्रा में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कुछ अन्य नेता शामिल हो चुके हैं तथा आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कुछ अन्य नेता भी भाग लेने वाले हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि कार्यक्रम में बदलाव की एक बड़ी वजह यह भी है कि एक सितंबर को 'इंडिया' गठबंधन के कुछ प्रमुख नेताओं की उपलब्धता संभव नहीं हो पा रही थी। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि जनसभा की जगह पदयात्रा का कार्यक्रम का फैसला कुछ दिनों पहले हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने संवत्सरी पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जैन धर्मावलंबियों द्वारा मनाए जाने वाले पवित्र दिन संवत्सरी पर लोगों को बधाई दी और कहा कि यह दिन क्षमाशीलता की सुंदरता और करुणा की शक्ति की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन लोगों को ईमानदारी से रिश्ते प्रगाढ़ करने के लिए प्रेरित करता है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''संवत्सरी क्षमाशीलता की सुंदरता और करुणा की शक्ति का स्मरण कराती है। यह लोगों को ईमानदारी से रिश्ते प्रगाढ़ करने के लिए प्रेरित करती है। इस पावन अवसर पर, हमारे हृदय विनम्रता से परिपूर्ण हों और हमारे कार्यों में दया एवं सद्भावना दोनों की झलक हों। मिच्छामि दुक्कदम!''

पश्चिम बंगाल का एक प्रवासी श्रमिक ओडिशा में मृत पाया गया

ब्रह्मपुर (ओडिशा) : पश्चिम बंगाल के 45 वर्षीय एक प्रवासी श्रमिक का शव बुधवार को ओडिशा के गंजाम जिले में मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की शिनाख्त मुर्शिदाबाद जिले के देबादशपुर निवासी लोकमन शेख के रूप में हुई है। शव को पंडिया पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र के निकट सड़क किनारे झाड़ी से बरामद किया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक, मुर्शिदाबाद जिले के कई अन्य लोगों के साथ पिछले कई महीनों से पंडिया के पास एक पुल निर्माण कार्य में लगा हुआ था। वे निर्माण स्थल के पास एक शिविर में रह रहे थे। पुरुषोत्तमपुर के उपसंभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सुजीत कुमार नायक ने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को सड़क किनारे झाड़ी से आ रही दुर्गंध के बारे में सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने शव बरामद किया। उन्होंने बताया कि पुलिस को मृतक के सहकर्मियों के अपराध में शामिल होने का संदेह है, क्योंकि सेख के दो सहकर्मी रविवार को घटनास्थल से फरार हो गए।

मिजोरम में म्यांमा के 29 हजार से ज्यादा नागरिक शरण ले रहे हैं: गृह मंत्री

आइजोल : मिजोरम के गृह मंत्री के सपदांगा ने बुधवार को कहा कि म्यांमा में सैन्य तख्तापलट के बाद संघर्ष के कारण विस्थापित हुए 29,000 से अधिक लोगों ने मिजोरम के विभिन्न हिस्सों में शरण ली है। विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र के पहले दिन सत्तारूढ़ ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के सदस्य वी एल ज़ैथनज़मा के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, सपदांगा ने कहा कि सभी जिला प्रशासनों ने म्यांमा से विस्थापित लोगों के लिए बायोमेट्रिक नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं: आरएसएस प्रमुख भागवत

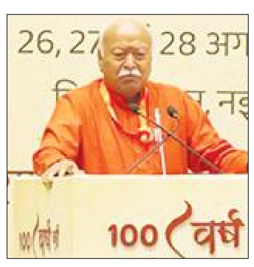

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आत्मनिर्भरता की पुरजोर वकालत करते हुए बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर यहां एक व्याख्यान श्रृंखला को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि आत्मनिर्भरता सभी समस्याओं का समाधान है और उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। भागवत ने कहा, ''आत्मनिर्भर होने का मतलब आयात बंद करना नहीं है। दुनिया आगे बढ़ती है, क्योंकि यह एक-दूसरे पर निर्भर है। इसलिए आयात-निर्यात जारी रहेगा। हालांकि, इसमें कोई दबाव नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि स्वदेशी का मतलब यह नहीं है कि उन वस्तुओं का आयात न किया जाए, जो देश में पहले से मौजूद हैं या जिनका विनिर्माण आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''बाहर (विदेशों) से वस्तुएं आयात करने से स्थानीय विक्रेताओं को नुकसान होता है।'' भागवत की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ (शुल्क) लागू हो गया है।

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की

नयी दिल्ली : फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के लिए अपने देश के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने भारत-फिनलैंड द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की भी समीक्षा की और क्वांटम प्रौद्योगिकियों, 6जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और स्थिरता सहित उभरते क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बयान में कहा गया है कि स्टब ने 2026 में भारत द्वारा आयोजित की जाने वाली एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। बयान के अनुसार स्टब ने यूक्रेन में संघर्ष के समाधान पर वाशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हुई हालिया बैठकों पर अपना आकलन मोदी के साथ साझा किया। बयान में कहा गया है कि मोदी ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया।

जम्मू के बाढ़ग्रस्त इलाकों से 5000 से अधिक लोगों को बचाया गया

जम्मू : जम्मू क्षेत्र में विभिन्न बाढ़ग्रस्त नदियों के किनारों और जलमग्न निचले इलाकों से 5,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि बचाव एजेंसियां और प्रशासन बाढ़ प्रभावित जम्मू व सांबा जिलों में फंसे लोगों तक पहुंचने के प्रयास में जुटा है। भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से जलमग्न हुए जम्मू संभाग के अधिकांश हिस्सों में बारिश जारी है, हालांकि इसकी तीव्रता अब कम है। बुरी तरह प्रभावित हुई जलापूर्ति, बिजली और इंटरनेट सेवाओं को बहाल करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन स्कूल-कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया गया है। जम्मू में पिछले 24 घंटों में 380 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 1910 में वेधशाला की स्थापना के बाद से 24 घंटे की अवधि में जम्मू में दर्ज की गई सबसे अधिक वर्षा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों से 5,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, संभागीय आयुक्त कार्यालय के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राहत सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति हो और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और बाढ़ की स्थिति तथा बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लिया। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर बिजली, संचार और जलापूर्ति बहाल करना सुनिश्चित करें जहां बाढ़ का पानी कम हो रहा है।

वैष्णोदेवी भूस्खलन : राहत सामग्री लेकर वायुसेना का सी-130 विमान जम्मू पहुंचा

राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का एक सी-130 परिवहन विमान बुधवार को माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए जम्मू पहुंच गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का सामान लेकर सी130 परिवहन विमान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित हिंडन वायुसेना अड्डे से रवाना हो कर जम्मू पहुंचा। इसके अलावा, चिनूक और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर और पठानकोट के आस-पास के वायुसेना अड्डों पर ''बिल्कुल तैयार स्थिति में'' रखे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास वैष्णो देवी मार्ग पर बचाव अभियान जारी है, जहां मंगलवार को भूस्खलन हुआ था। भूस्खलन की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है जबकि 20 अन्य घायल हुए हैं।

व्यापार

वाणिज्यिक उड़ानों के पायलट के लिए 67 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा का प्रस्ताव

नयी दिल्ली : वैश्विक एयरलाइन समूह आईएटीए ने एक से अधिक पायलट वाले वाणिज्यिक उड़ानों के संचालन से जुड़े पायलटों के लिए अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 67 वर्ष करने का प्रस्ताव दिया है। विमानन क्षेत्र में वृद्धि के कारण बढ़ती मांग की तुलना में उपलब्ध पायलटों की कमी के बीच, आईएटीए ने अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) को यह प्रस्ताव दिया है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) दुनिया भर में लगभग 350 एयरलाइन का प्रतिनिधित्व करता है। इनमें एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं।

चांदी 2,000 रुपये उछलकर 1.20 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर, सोना 500 रुपये चढ़ा

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को चांदी की कीमत 2,000 रुपये उछलकर 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गईं। भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के लगाए गए भारी शुल्क के लागू होने के बाद सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने की वजह से चांदी के दाम चढ़े हैं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, मंगलवार को चांदी 3,000 रुपये बढ़कर 1,18,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई थी। राष्ट्रीय राजधानी में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बुधवार को 500 रुपये बढ़कर 1,01,270 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले बाजार बंद के समय यह 1,00,770 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी।

भारत पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि बेहतर दक्षता, साहसिक सुधारों का अवसर: अमिताभ कांत

नयी दिल्ली : नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि भारत को अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क को एक चेतावनी के रूप में देखना चाहिए और इसका उपयोग साहसिक व एक पीढ़ी में एक बार होने वाले सुधारों को लागू करने और दीर्घकालिक विकास के लिए अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने के अवसर के रूप में करना चाहिए। आईआरएस (सीएंडआईटी) एसोसिएशन द्वारा आयोजित बीएन मेमोरियल व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए, कांत ने कहा, यह भारत का युग है, चाहे ट्रंप कोई भी शुल्क लगाएं, मैं दृढ़ता से मानता हूं कि ट्रंप ने हमें सुधारों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर दिया है। अमेरिका द्वारा रूसी तेल आयात को शुल्क वृद्धि का कारण बताए जाने पर, कांत ने कहा, यह रूसी तेल के बारे में नहीं है। अगर यही मुद्दा होता, तो चीन, रूस से कहीं ज्यादा तेल खरीदता है और तुर्की भी उतना ही तेल खरीदता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ट्रंप के शुल्क भारत के लिए एक चेतावनी की घंटी होने चाहिए। यह विडंबना है कि अमेरिका रूस और चीन के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है, जबकि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है और फिर भी भारत को शुल्क का निशाना बना रहा है। स्पष्ट रूप से कहा जाए, यह रूसी तेल के बारे में नहीं है... इन वैश्विक झटकों से डरने के बजाय, भारत को इन्हें एक प्रेरणा के रूप में लेना चाहिए कि हम साहसिक, एक पीढ़ी में एक बार होने वाले सुधारों को लागू करें और साथ ही अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाकर दीर्घकालिक विकास और मजबूती सुनिश्चित करें।

वाहन में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित ईंधन के उपयोग से कोई गंभीर समस्या नहीं: रेनो इंडिया

नयी दिल्ली : कार बनाने वाली कंपनी रेनो इंडिया ने बुधवार को कहा कि ई-10 मानक वाले वाहनों में 20 एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) का उपयोग करने वाली उसकी कारों में कोई गंभीर चुनौती नहीं देखी गई है। कंपनी ने ई-10 मानकों के अनुसार परीक्षण और प्रमाणित वाहनों में ई-20 ईंधन के उपयोग के संबंध में ग्राहकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा संयुक्त रूप से एक परीक्षण किया गया था, जिसमें विभिन्न ईंधन संयोजनों को शामिल किया गया था। इसमें ई-10 मानकों के अनुसार प्रमाणित वाहनों में ई-20 ईंधन का उपयोग भी शामिल था। इस अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट के मसौदे में यह निष्कर्ष निकाला गया कि ई-10 मानक वाले वाहनों में ई-20 ईंधन के उपयोग से कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। इस रिपोर्ट को सभी मूल उपकरण विनिर्माता कंपनियों के साथ साझा किया गया था। इसमें यह माना गया कि वर्तमान में सड़क पर चल रहे वाहन ई-20 मानकों के अनुरूप हैं। कंपनी ने कहा, ''इन निष्कर्षों के आधार पर, ई-10 मानक वाले और परीक्षण किए गए वाहनों में ई-20 ईंधन का उपयोग करके सड़कों पर चलने वाली रेनो कार में कोई गंभीर चुनौती नहीं देखी गई है।''

पचास प्रतिशत अमेरिकी शुल्क से झींगा, कपड़ा, रत्न-आभूषण के निर्यात पर पड़ेगा गंभीर प्रभाव

नयी दिल्ली : अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत के भारी शुल्क से झींगा, कपड़ा, चमड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात और रोजगार सृजन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। निर्यातकों ने कहा कि 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाने से उसके सबसे बड़े निर्यात बाजार में भारतीय उत्पादों की आवाजाही बाधित होगी। बीते वित्त वर्ष भारत के 437.42 अरब डॉलर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा था। अमेरिका 2021-22 से भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2024-25 में, वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

इंडिगो में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी 7,027 करोड़ रुपये में बेचेंगे राकेश गंगवाल, उनका ट्रस्ट

नयी दिल्ली : इंडिगो एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने कंपनी में अपनी 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 7,027.7 करोड़ रुपये में बेचने की योजना बनाई है। एक सौदा पत्र में इसकी जानकारी दी गई है। यह हिस्सेदारी बिक्री सौदा बृहस्पतिवार को एनएसई और बीएसई के माध्यम से किया जाएगा। इस बिक्री से मिलने वाली पूरी राशि विक्रेताओं के पास जाएगी। प्रस्तावित बिक्री के तहत 1.21 करोड़ शेयरों की बिक्री 5,808 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम भाव पर की जाएगी, जो मंगलवार के बंद भाव (6,050 रुपये) से लगभग चार प्रतिशत कम है। इंटरग्लोब एविएशन में गंगवाल और चिंकरपू फैमिली ट्रस्ट की कुल हिस्सेदारी जून, 2025 तक 7.81 प्रतिशत थी, जो इस सौदे के बाद घटकर 4.71 प्रतिशत रह जाएगी। इस ट्रस्ट में शोभा गंगवाल एवं जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी ऑफ डेलावेयर ट्रस्टी हैं। इस सौदे के लिए गोल्डमैन शैक्स, मॉर्गन स्टेनली इंडिया और जेपी मॉर्गन इंडिया को ब्रोकर नियुक्त किया गया है।

ऑनलाइन गेमिंग कानून के कारण राजस्व में 95 प्रतिशत की गिरावट, पर छंटनी नहीं करेंगे: ड्रीम स्पोर्ट्स

नयी दिल्ली : ड्रीम 11 की मूल कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स ने कहा है कि नए ऑनलाइन गेमिंग कानून के कारण समूह के राजस्व में 95 प्रतिशत की कमी आई है। हालांकि, कंपनी ने कर्मचारियों की छंटनी की आशंका से इनकार किया है। कंपनी ने कहा कि अब वह फैनकोड, ड्रीमसेटगो, ड्रीम गेम स्टूडियो और ड्रीम मनी जैसी खंड कंपनियों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेगी। ड्रीम स्पोर्ट्स ने बयान में कहा कि ड्रीम11 ने हमेशा कानून का अक्षरशः पालन किया है और आगे भी करती रहेगी। इसमें कहा गया, '' हालांकि कानून में इस बदलाव के कारण हमारे समूह के राजस्व में करीब 95 प्रतिशत की हानि हुई है। फिर भी हम कृत्रिम मेधा (एआई) और 'क्रिएटर इकनॉमी' द्वारा संचालित एक बेहतरीन भारतीय खेल कंपनी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' कंपनी ने कहा कि कारोबार को जमीन से खड़ा करने के लिए लोगों के सामूहिक बल की आवश्यकता होगी। कंपनी ने भरोसा दिलाया कि प्रतिभा-प्रधान संगठन होने के नाते, कर्मचारियों की छंटनी नहीं की जाएगी। बयान में कहा गया, '' इसके साथ ही, हम 'खेलों को बेहतर बनाने' के अपने मिशन के तहत अपनी अन्य ड्रीम स्पोर्ट्स खंड कंपनियों जैसे फैनकोड, ड्रीमसेटगो, ड्रीम गेम स्टूडियोज और ड्रीम मनी का विस्तार करने पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।'' कंपनी ने कहा कि वह उपयोगकर्ताओं, भागीदारों, मीडिया और व्यापक परिवेश के निरंतर समर्थन के लिए बहुत आभारी है और इस '' कठिन समय '' से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा की

चेन्नई : अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास की घोषणा की जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही महीनों के भीतर इस टूर्नामेंट के साथ उनके 16 साल लंबे जुड़ाव का अंत हो गया। अश्विन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह घोषणा की। अश्विन ने 'एक्स' पर लिखा, ''कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है लेकिन विभिन्न लीग में खेल की खोज करने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं सभी फ्रेंचाइजी को वर्षों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और सबसे महत्वपूर्ण आईपीएल और बीसीसीआई को उन चीजों के लिए जो उन्होंने अब तक मुझे दीं। आगे जो भी मेरे सामने है उसका पूरा आनंद लेने और उसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं।'' अश्विन की सुपरकिंग्स ने सोशल मीडिया पोस्ट में भावुक सराहना की। सुपरकिंग्स ने लिखा, ''चेपक का अपना। कैरम-बॉल थिरुपुरा-सुंदरन! अंबुदेन की धूल भरी पिचों पर पीली जर्सी में अपने पहले रन-अप से लेकर दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर स्पिन के पूर्ण प्रभुत्व तक, आपने हमें सब कुछ दिया है।''

सिंधू, सात्विक-चिराग विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में

पेरिस : भारत की दिग्गज शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधू ने शानदार वापसी करते हुए मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को 21-19, 21-15 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झि यी से होगा। भारतीय पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से मात देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान को 21-11, 21-16 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला हांगकांग की पांचवीं वरीय जोड़ी तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट से होगा। सिंधू ने मैच की धीमी शुरुआत के बावजूद दबाव में आकर भी वापसी की। पहले गेम में 12-18 से पीछे रहने के बाद उन्होंने लगातार छह अंक लेकर बराबरी की और फिर जीत हासिल की। दूसरे गेम में उन्होंने पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत दर्ज की। पुरुष युगल मुकाबले में सात्विक-चिराग ने आक्रामक अंदाज़ में शानदार स्मैश लगाते हुए प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में कड़ी टक्कर के बाद 22-20 से जीत दर्ज की और फिर दूसरे गेम में 21-13 से मुकाबला अपने नाम किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी की दावेदारी को कैबिनेट से मंजूरी

अहमदाबाद को बताया आदर्श मेजबान

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की दावेदारी को मंजूरी दे दी और 'विश्व स्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाओं और खेल संस्कृति' के कारण अहमदाबाद को आदर्श मेजबान बताया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सहमति जताने के कुछ दिन बाद ही यह फैसला आया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र जमा कर दिया है। पीआईबी की एक विज्ञप्ति के अनुसार ,'' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी के युवा कार्य और खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।'' इसमें कहा गया ,'' कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी।'' दावेदारी के लिये बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त है। आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है। भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबान देश पर फैसला लेगी।

गिल और रोहित वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई : भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली चौथे नंबर पर मौजूद हैं। वहीं हाल में मैके में श्रृंखला के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है। हालांकि श्रृंखला दक्षिण अफ्रीका ने जीती। गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित (756) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं। कोहली के 736 अंक हैं। हाल के महीनों में भारतीय टीम ने वनडे में हिस्सा नहीं लिया है लेकिन गेंदबाजों की ताजा वनडे रैंकिंग में कुलदीप यादव (650) और रविंद्र जडेजा (616) अब भी क्रमश: तीसरे और नौवें नंबर पर बने हुए हैं। रोहित और कोहली टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं लेकिन ये दोनों वनडे प्रारूप में सक्रिय हैं। रोहित और कोहली दोनों ने आखिरी बार फरवरी 2025 में संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान वनडे मैच खेला था जिसमें उन्होंने भारत के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी।

दोहा में 90 मीटर प्लस थ्रो परफेक्ट नहीं था, सुधार पर काम कर रहा हूं : चोपड़ा

ज्यूरिख : भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बुधवार को स्वीकार किया कि वह अभी अपनी तकनीक से संतुष्ट नहीं हैं और मई में दोहा डायमंड लीग में 90 प्लस मीटर का थ्रो भी 'परफेक्ट' नहीं था। चोपड़ा ने 90 . 23 मीटर का थ्रो फेंका था और वह दूसरे स्थान पर रहे थे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल्स से पहले पत्रकारों से कहा ,''मुझे लगता है कि मेरा रनअप तेज है लेकिन मैं उस रफ्तार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा हूं। दोहा में 90 मीटर का थ्रो अच्छा था लेकिन तकनीकी तौर पर यह परफेक्ट नहीं था।'' उन्होंने कहा ,'' अगर मेरा बायां पैर सीधा है और परफेक्ट ब्लॉक का इस्तेमाल कर रहा हूं तो यह अच्छा थ्रो होगा और फिर मैं अपनी गति से संतुष्ट हो सकूंगा ।''

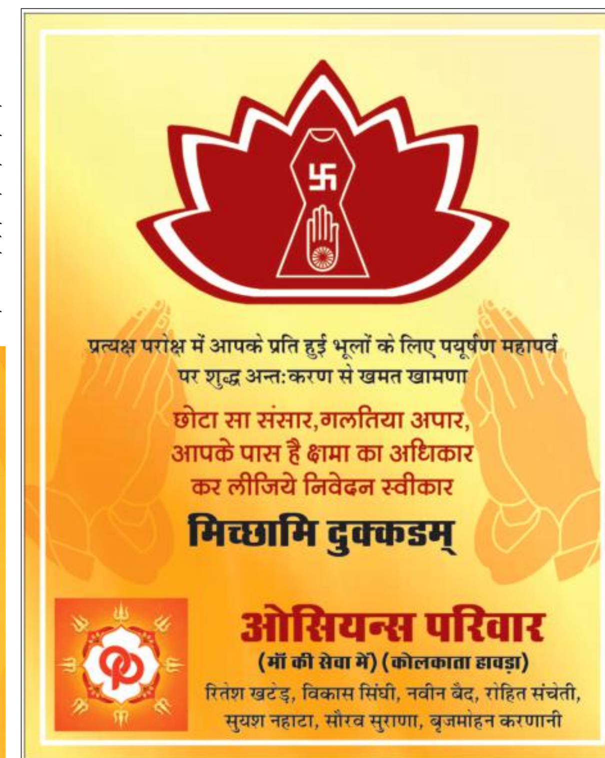

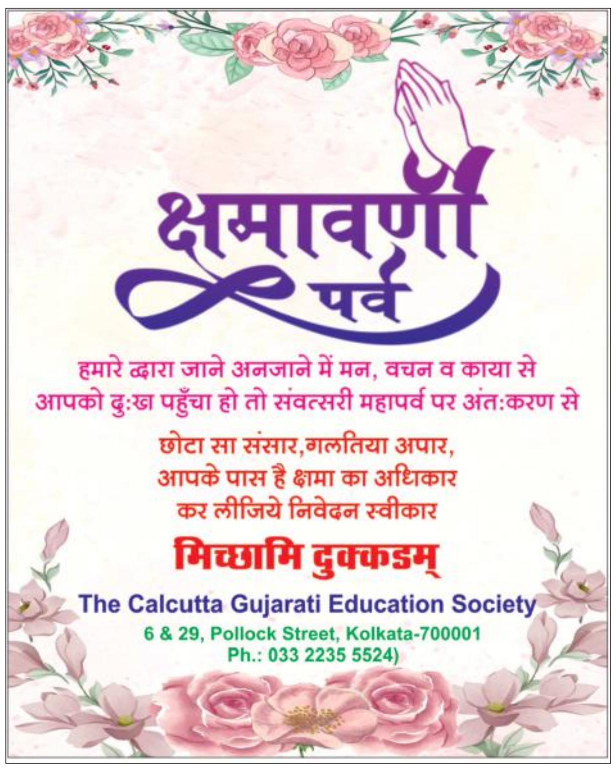

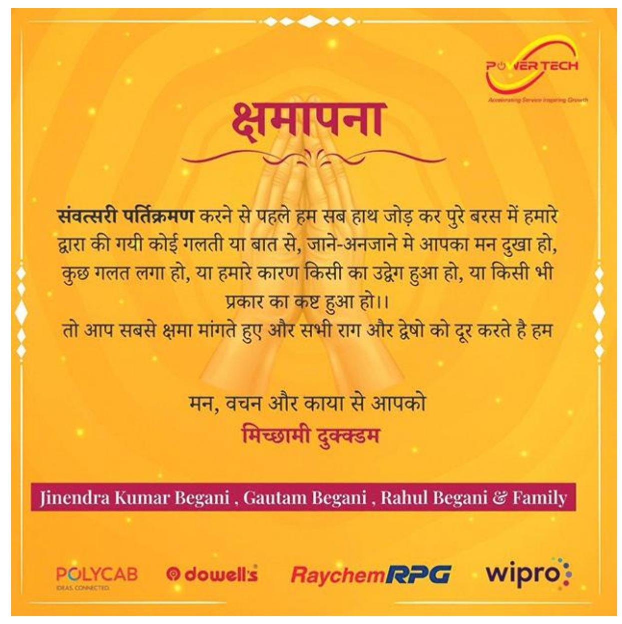

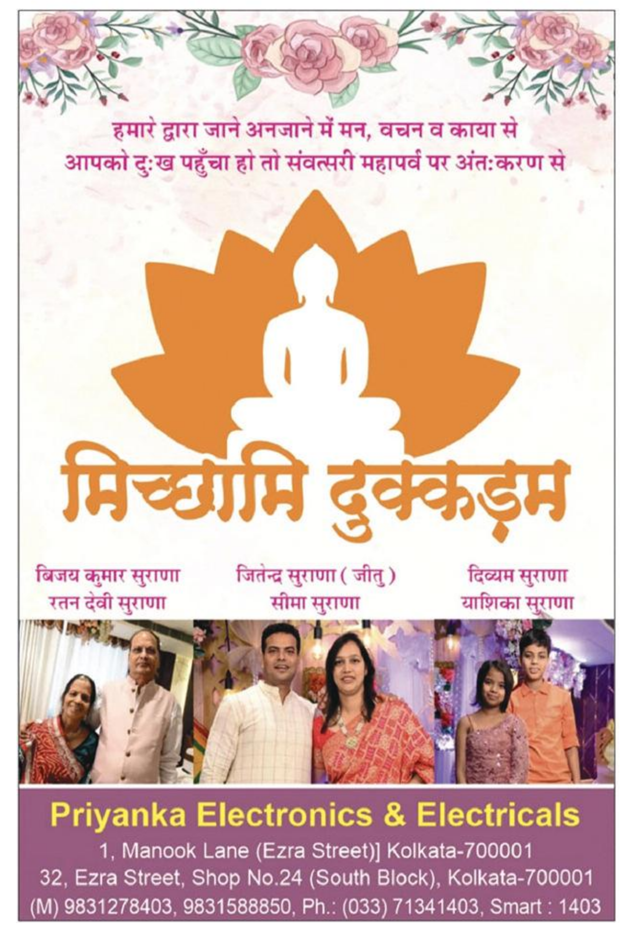

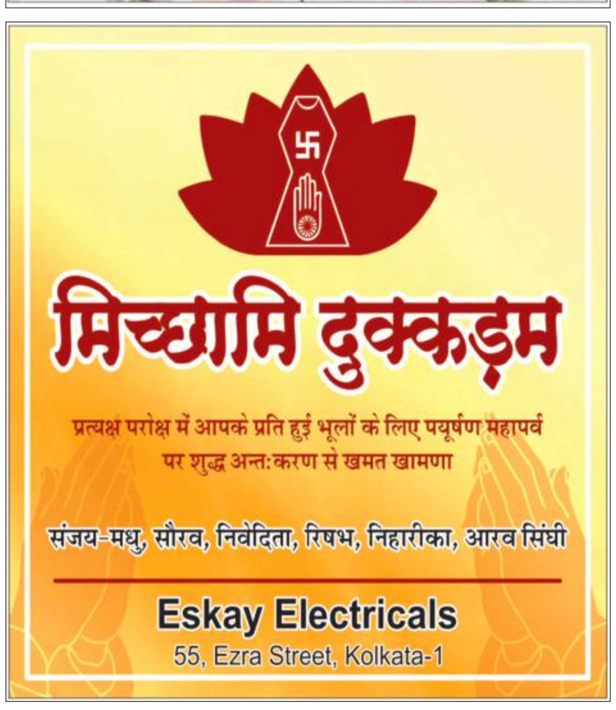

वर्ष 10, पूर्णांक 3340 अंक 150, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in